



हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

गौरतलब है, नगर निगम प्रशासन ने मानसून से पहले तीन चरणों में शहर के नालियाँ और बड़े नालों की सफाई करवाने वाला किया था, इसके लिए दस जनों के 70 वाडों में नाला सफाई के लिए 350 अतिरिक्त सफाई कर्मचारी, जैसीबी, पोकलैन मशीनों की व्यवस्था की गई। 4 जनों में नाला सफाई के लिए किया की पोकलैन मशीनों के लिए अलग से विशेष कार्ययोजना बनाकर स्वीकृति दी गई। पर शनिवार की शाम हुए तेज बारिश के आगे निगम प्रशासन के सारे दावे फेल हो गए। नालों की तले तक सफाई नहीं होने नालियों में जामों गंदगी को बाहर नहीं निकालने से बारिश में बदबुददार गंदा पानी ओवरफ्लो होकर कई रहिवासी कॉलोनीयों और निचली बस्तियों में फैल गया था घुसा। घर आंगन से लेकर किचन और गलियारा तक घुटनेभर पानी जमा होने से सड़तजगी की नैबत बन आई। प्रोफेसर कॉलोनी के सभी संकरों के अलावा शीतला कॉलोनी के गली नंबर 1, 2, 3, डबरीपारा, परशुराम नालों में लोगों के घरों में रात के समय चुल्लू नहीं जले। नगर निगम और वाड पार्षद ने समन्वय बनाकर प्रभाषित घरों में भोजन के पैकेट और सफाई के समय नाश्ते की व्यवस्था पैकटों की भुख मिटाई। शहीद ▶▶▶पेज 13 पर

A photograph showing a large pile of cut tree branches and debris in the foreground. In the background, a worker in a yellow vest is visible near a red truck, and power lines are overhead.

राजधानी रायपुर में मौसम बदलने के कारण बिजली व्यवस्था का हाल बेहाल हो गया है। एक दिन पहले बारिश से पहले आँधी-बौलान के कारण जहाँ बिजली के तारों पर थोक में पड़ और प्लैकबॉक्स गिरे, वहाँ कुछ स्थानों पर खड़े भी गिर गए। इससे सड़क पुराना काले की रेत के टुकड़ोंमार्फत भी चल गया। 50 से ज्यादा फीटों में खराबी आने के कारण इसे ठीक करने में घंटों लग गए। कुछ फीटों में दूसरे फीटों से प्लाइन तबले और प्रसारित्रिया गया। विद्युत व्यवस्था में रविवार को सुधार किया गया। बिजली व्यवस्था पूरी तरह से बहाल करने में 24 घंटों से ज्यादा का समय लग गया। रविवार को भी फीटों में बारिश के कारण खराबी आने से बिजली बंद हुई। राजधानी रायपुर में शनिवार को शम को मौसम बदलने दो पहलें ली गई हवा चल, जिसके कारण काँच स्थान पर पड़ और प्लैकबॉक्स बिजली के तारों पर गिर गए। पड़री में जीजम बाँगा निगम के पास दो खम्भे भी उखड़ गए। इसी के साथ कुछ फीटों में भी पड़ पड़ पड़ पड़ गिरे के कारण फीटों में खराबी आई। 50 से ज्यादा फीटों में खराबी आने के कारण 33 और 11 केवी की लाइनों से जहाँ-जहाँ सप्लाई होती है, वहाँ पर बिजली बंद हो गई। इससे के.टी.ए. आँधी राजधानी में अंधेरा हो गया।

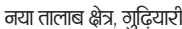
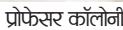


स्कूलों में कक्षा तक जाने का मायामैदान से ही होकर जाता है। ऐसे में छात्रों को पहले पानी से बचने जुगाड़ लगाना होगा, इसके बाद पढ़ाई में अच्छे प्रदर्शन की चिंता करना होगी दूसरी ओर देवपुरी और लालपुर के शासकीय विद्यालय में इस बार स्थिति सुधरी है यहां प्रतिवर्ष मैदान में पानी भरने की शिकायतें आती रही हैं लेकिन इस बार मरम्मत किए जाने के कारण स्थिति नियंत्रित है।

सड़कें डूबीं, घरों तक पानी का सैलाब, चूल्हा ठंडा



आसपास के क्षेत्रों का फाफाडीह से संपर्क टूट गया। इससे लोगों को देवेंद्र नगर मंडी गेट के रास्ते से 6 किलोमीटर की अतिरिक्त दूरी तय कर गंतव्य तक पहुंचना पड़ा।

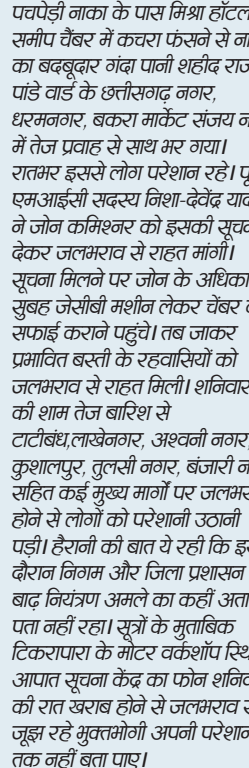


गणेश निगम जॉन-5 क्षेत्र के वासनागर
गाछे वाई और जॉन-6 के महानयाया मंदिर
का देई पानी को निकारसी और
जलमयार को समस्या दूर करने तो हुआ
का नाला 3 मगन में बनावे टैटो तो हुआ
पर बिजली पोल का डिस्टर्ब, ट्रान्सफर
स्टेशन सहित अन्य कार्य पूरे नहीं होने से
अस तक नये पानी को निर्माण कार्य प्रारंभ
नहीं हो सका है। ऐसे में हर बार को तरह
मयार बासी भी प्रोपेक्षर कॉलोनी निगम 1, 2,
3 में शनिवार का रात लोगों के घंटों और
आंगन से लेकर सड़क तक कचराश
माले का देई पानी मर रहा। लोग परिवार
का सारा रातगण पानी उत्तरे का हड्डानर
करते रहे। यही स्थिति पेशपुरमनगर,
कुकुरपारी और सुभाषनगर में देखने को
मिलेगी। जॉन कमिश्नर निगम की टीम और
का देई पार्षद के साथ प्रमाति क्षेत्रों का देर
तक जायजा लेते रहे। प्रमाति बस्ती के
रहवासियों ने बताया कि निगम ने घंटों से
यह निगम को निगम मोटर्प पु जरूर पानी का
पर एक विकल्प ये रही कि पानी कहां
पैकेट, इस वजह से चारों तरफ गंदबा पानी
मर रहा। रिवर का सुबह जलमयार
होना है पर वाई पार्षद जयश्री नायक,
बस्ती झोलाके ने निगम की टीम के साथ
प्रमाति झोलाके में नाश्ते के पैकेट और
माले में लंच पैकेट का वितरण करया।

हर पिछले कुछ घंटों से हो रही
मसलाधार बारिश के चलते जलभराव
की स्थिति को देखते हुए महापौर मीनल
नारे से रविवार की सुबह शहर के
विभिन्न स्थानों का भ्रमण वस्तुस्थिति का
जाँच करी ली। उन्होंने जलभराव वाले
उन्होंने पानी निकालने के लिए निगम के
वैकल्पिक प्रशासिकायियों को 24 घंटे के अंदर
एड पॉवर सक्शन पंप की व्यवस्था करने
देय। प्रभावित क्षेत्रों में नागरिकों
को हॉमो मीनल चौबे ने कहा, शहर के
हल हिस्सों में बेतरतीब निर्माण और
जलियों के अभाव के कारण जलभराव
यह स्थिति निर्मित हुई है। जनता को
रही इस तकलीफ से उनका मा
व्यवस्थित व्यति है। ▶▶ पृष्ठ पेज 13 पर

मठावादी से काटाईह मांग पर दू बेचने आसपास के गाँमीय साहकिय व दूपायिया से दूध का डिब्बा लेकर रोज आना-जाना करते हैं।

मूसलातार बारिश से मांग में पानी भर गया है, इसलिय दूध वाले अप गाड़ी रोककर रास्ते की हवा लेकर गन्तय तक पहुँचने की हिम्मत जुटाते देखे जा सकते हैं। उनके स दूधविक्रय से ही बीब रास्ते में दूपायिया के इंजन में पानी भर गया तो गाड़ी को खींचते हुए वे लाने के आलाय रोक करती नहीं बचेगा। य इस मांग से उसी समय गाड़ी दूसर चारपटिया वाहन बानने आ जाए दूध का बैलेंस बजाने में भी खासी दिक्कत आ सकती है।



स्कूलों में कक्षा तक जाने का मायामैदान से ही होकर जाता है। ऐसे में छात्रों को पहले पानी से बचने जुगाड़ लगाना होगा, इसके बाद पढ़ाई में अच्छे प्रदर्शन की चिंता करना होगी दूसरी ओर देवपुरी और लालपुर के शासकीय विद्यालय में इस बार स्थिति सुधरी है यहां प्रतिवर्ष मैदान में पानी भरने की शिकायतें आती रही हैं लेकिन इस बार मरम्मत किए जाने के कारण स्थिति नियंत्रित है।

सदस्य एवं कार्यकर्ता सेवाएँ

वर्ल्स बॉटम

लाजो

199

न्स शर्ट

399

699 में

सामने, रायपुर

रोजगार देने वाले उद्योगों को मिलेगा अनुदान, स्थानीय को नौकरी नहीं दी तो ब्याज सहित होगी वसूली

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य की नई औद्योगिक विकास नीति 2024-30 को लागू करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए ‘छत्तीसगढ़ उद्योग रोजगार एवं प्रशिक्षण अनुदान नियम, जारी कर दिए हैं। 30 जून को जारी अधिसूचना के साथ ही रोजगार सृजन और प्रशिक्षण पर उद्योगों को अनुदान देने की पूरी प्रक्रिया, पात्रता, भुगतान और वसूली के नियम तय हो गए हैं।

नए नियमों के तहत अब केवल वही औद्योगिक इकाईयां अनुदान की पात्र होंगी, जो उत्पादन या सेवा गतिविधि शुरू करने के बाद राज्य सरकार के निर्धारित मानकों के अनुसार रोजगार उपलब्ध कराएंगी। सरकार ने स्पष्ट किया है कि उद्योगों को अनुदान लेने के लिए कर्मचारियों का ईपीएफओ में पंजीकरण अनिवार्य होगा।



छत्तीसगढ़ उद्योग रोजगार अनुदान नियम-2024 निरस्त, नया लागू, पांच साल तक रोजगार बनाए रखने की अनिवार्यता भी

स्थानीय लोगों को रोजगार देना होगा अनिवार्य

सरकार ने नियमों में स्थानीय युवाओं को रोजगार को सबसे अधिक प्राथमिकता दी है। उद्योगों को अनुदान की दावा अवधि के दौरान उत्पादन जारी रखते हुए अकुशल श्रेणी में 100 प्रतिशत, कुशल श्रेणी में 70 प्रतिशत तथा प्रबंधकीय एवं प्रशासनिक श्रेणी में कम से कम 40 प्रतिशत रोजगार छत्तीसगढ़ के मूल निवासियों को देना अनिवार्य होगा। यही शर्त शपथ-पत्र के माध्यम से भी लागू रहेगी। नियमों में दिव्यांग, सेवानिवृत्त अग्निकीर, आत्मसमर्पित नक्सली तथा नक्सल प्रभावित व्यक्तियों को रोजगार देने वाले उद्योगों के लिए भी विशेष रोजगार अनुदान का प्रावधान किया गया है। इसके लिए संबंधित श्रेणी का सक्षम प्राधिकारी से प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा।

पांच वर्ष तक रोजगार बनाए रखना होगा : नियमों के अनुसार उद्योगों को व्यावसायिक उत्पादन शुरू होने की तारीख से पांच वर्ष अथवा अंतिम अनुदान स्वीकृति की तारीख से पांच वर्ष (जो बाद में हो) तक स्थानीय लोगों को निर्धारित अनुपात में रोजगार देना होगा। यदि बाद में रोजगार घटने से निर्धारित प्रतिशत कम हो जाता है तो सरकार अनुदान राशि ब्याज सहित वापस ले सकेगी या अन्य देय अनुदानों से समायोजित कर सकेगी।



गलत जानकारी दी तो 12.5 प्रतिशत ब्याज सहित होगी वसूली : सरकार ने अनुदान के दुरुपयोग पर भी सख्त प्रावधान किए हैं। यदि कोई उद्योग तथ्य छिपाकर या गलत जानकारी देकर अनुदान प्राप्त करता है तो पूरी राशि 12.5 प्रतिशत वार्षिक साधारण ब्याज सहित वसूली की जाएगी। यह राशि भू-राजस्व बकाया की तरह वसूली जा सकेगी।

प्रशिक्षण अनुदान भी मिलेगा

सरकार उद्योगों को कर्मचारियों के प्रशिक्षण पर भी सहायता देगी। प्रशिक्षण वृत्ति प्रतिपूर्ति दो किस्तों में मिलेगी। पहली किस्त नियुक्ति के एक वर्ष बाद और दूसरी किस्त छह माह बाद दी जाएगी। दोनों किस्तों में औसत मासिक वेतन का 50 प्रतिशत अथवा अधिकतम 7,500 रुपए (जो कम हो) तक भुगतान किया जाएगा।

ऑनलाइन आवेदन, समयसीमा भी तय

उद्योगों को सभी आवेदन ऑनलाइन करने होंगे। आवेदन के साथ मूल निवासी प्रमाण-पत्र, नियुक्ति आदेश, आधारकार्ड, ईपीएफओ पंजीयन, वेतन का सौंप प्रमाणित विवरण तथा अन्य आवश्यक दस्तावेज जमा करना होंगे। दस्तावेजों में कमी मिलने पर 15 दिन के भीतर आवेदन वापस किया जाएगा और 60 दिन में कमी दूर नहीं होने पर आवेदन स्वतः निरस्त हो जाएगा।

अपील की भी व्यवस्था

यदि किसी उद्योग का आवेदन निरस्त होता है तो वह 45 दिनों के भीतर अपील कर सकेगा। सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों के लिए अपील शुल्क 2 हजार रुपए तथा अन्य उद्योगों के लिए 5 हजार रुपए निर्धारित किया गया है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, महिला उद्यमी, दिव्यांग, भूतपूर्व सैनिक, सेवानिवृत्त अग्निकीर, नक्सल प्रभावित और आत्मसमर्पित नक्सलियों के मामलों में यह शुल्क आधा रखा गया है। नई अधिसूचना के लागू होने के साथ ही ‘छत्तीसगढ़ उद्योग रोजगार अनुदान नियम, 2024’ को निरस्त कर दिया गया है और अब रोजगार एवं प्रशिक्षण से जुड़ी सभी अनुदान योजनाएं नए नियमों के तहत संचालित होंगी।

ख़बर संक्षेप

पं. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर कवि सम्मेलन

रायपुर । डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के अवसर पर राजधानी रायपुर में देश-प्रदेश के कवियों का कुंभ लगेगा। राष्ट्रवाद की परछाईं रहे पं. मुखर्जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए भव्य काव्य महोत्सव ‘मिट्टी के बेटे’ का आयोजन किया जा रहा है। डिप्टी सीएम अरुण साव के मार्गदर्शन एवं संरक्षण में प्रदेश के राष्ट्रवादी युवाओं द्वारा कवि सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। ‘मिट्टी के बेटे’ शीर्षक से होने वाले काव्य महोत्सव के संयोजक राष्ट्रवादी विचारक वीरेंद्र दुबे हैं। यह कार्यक्रम 11 जुलाई को रात्रि 8.30 बजे से पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में होगा। काव्य महोत्सव में देश के 3 ख्याति प्राप्त कवि शशिकांत यादव, राम भदावर और अमित शर्मा अपनी वीर रस की कविताओं से दर्शकों में राष्ट्रवाद की लहर जगाएंगे। साथ ही छत्तीसगढ़ के 6 प्रतिष्ठित कवि देवेन्द्र परिहार, मयंक शर्मा, संस्कार साहू, हीरामणि वैष्णव, नरेंद्र गुप्ता, ईशान शर्मा अपनी ओजपूर्ण एवं राष्ट्रभक्ति से परिपूर्ण रचनाओं का पाठ करेंगे। आयोजन में वीर रस, राष्ट्रचेतना, संस्कृति और मातृभूमि के गौरव पर आधारित काव्य प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

कावियों का कुंभ लगेगा। राष्ट्रवाद की परछाईं रहे पं. मुखर्जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए भव्य काव्य महोत्सव ‘मिट्टी के बेटे’

का आयोजन किया जा रहा है। डिप्टी सीएम अरुण साव के मार्गदर्शन एवं संरक्षण में प्रदेश के राष्ट्रवादी युवाओं द्वारा कवि सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। ‘मिट्टी के बेटे’ शीर्षक से होने वाले काव्य महोत्सव के संयोजक राष्ट्रवादी विचारक वीरेंद्र दुबे हैं। यह कार्यक्रम 11 जुलाई को रात्रि 8.30 बजे से पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में होगा। काव्य महोत्सव में देश के 3 ख्याति प्राप्त कवि शशिकांत यादव, राम भदावर और अमित शर्मा अपनी वीर रस की कविताओं से दर्शकों में राष्ट्रवाद की लहर जगाएंगे। साथ ही छत्तीसगढ़ के 6 प्रतिष्ठित कवि देवेन्द्र परिहार, मयंक शर्मा, संस्कार साहू, हीरामणि वैष्णव, नरेंद्र गुप्ता, ईशान शर्मा अपनी ओजपूर्ण एवं राष्ट्रभक्ति से परिपूर्ण रचनाओं का पाठ करेंगे। आयोजन में वीर रस, राष्ट्रचेतना, संस्कृति और मातृभूमि के गौरव पर आधारित काव्य प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

वॉयज हास्टल निर्माण और कैंसर भवन विस्तार का भूमिपूजन करेंगे मुख्यमंत्री

रायपुर। पं. जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय रायपुर में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत 200 सीटर छात्र-छात्रावास/छात्रा-छात्रावास, कैंसर भवन (जी+2 से जी+6) तथा अन्य आवासीय परिसरों के निर्माण कार्य का भूमिपूजन समाह्वित 6 जुलाई सोमवार को आयोजित है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय होंगे और अध्यक्षता उपमुख्यमंत्री अरुण साव करेंगे। समाह्व में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, वन एवं प्रभारी मंत्री रायपुर केदार कश्यप, कोशल विकास एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरु बुधवंत साहेंब तथा रायपुर सांसद खुशमोहन अग्रवाल अतिविशिष्ट अतिथि होंगे।

डीए का 86 माह का एरियस देने की मांग

रायपुर । छत्तीसगढ़ विद्यालय शिक्षक कर्मचारी संघ ने राज्य सरकार से शिक्षकों सहित राज्य कर्मचारियों को जनवरी से अविर्लंब 2 प्रतिशत महंगाई भत्ता दिए जाने की मांग की है। संघ के प्रांताध्यक्ष संजय तिवारी ने बताया कि जुलाई माह में कर्मचारियों को वार्षिक वेतनवृद्धि दी जाएगी, साथ ही मुख्यमंत्री को कर्मचारियों का महंगाई भत्ता स्वीकृत करना चाहिए। उन्होंने बताया कि महंगाई भत्ते में लेटलतफी के चलते जनवरी 2017 से जनवरी 2025 तक भाजपा एवं कांग्रेस सरकार ने कर्मचारियों के 86 माह का महंगाई भत्ते का एरियस नहीं दिया है। कर्मचारियों को इससे लगभग 5600 करोड़ से अधिक का नुकसान हुआ है। इधर जनवरी 2026 का 2% महंगाई भत्ता प्रदेश के शिक्षकों कर्मचारियों को अब तक नहीं मिल सका है।

राष्ट्रपति मुर्मू, प्रधानमंत्री मोदी, शाह, योगी, साय, रमन, भूपेश, केदार, अग्रवाल ने दी श्रद्धांजलि

छत्तीसगढ़ ने खो दिया अमूल्य रत्न, देश ने कहा- अपूरणीय क्षति, कला जगत में भी शोक

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

छत्तीसगढ़ की लोककला और पंडवानी गायन को वैश्विक पहचान दिलाने वाली पद्म विभूषण तीजन बाई के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय समेत देश के कई बड़े नेताओं और सांस्कृतिक हस्तियों ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उनके निधन की जानकारी मिलने पर छत्तीसगढ़ समेत पूरे देश के राजनीतिक, सांस्कृतिक और कला जगत में शोक की लहर दौड़ गई।

शाह और योगी ने दी श्रद्धांजलि

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा, पद्म विभूषण से सम्मानित प्रख्यात पंडवानी गायिका तीजन बाई का निधन कला जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने अपनी अक्षितिय प्रतिमा और समर्पण से पंडवानी लोककला को नई पहचान दिलाई। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी शोक व्यक्त करते हुए कहा कि तीजन बाई ने अपनी विलक्षण प्रतिभा, सशक्त अभिव्यक्ति और सैगीत साधना के माध्यम से छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक परंपरा ‘पंडवानी’ को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। भारतीय लोककला और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में उनका योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा।



रमन और भूपेश ने जताया दुःख

छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा, आज पंडवानी का एक सूर हमेशा के लिए शांत हो गया। तीजन बाई ने छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक अस्मिता को वैश्विक पहचान दिलाई और अनगिनत कलाकारों को प्रेरणा दी। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, पद्म विभूषण तीजन बाई का निधन केवल छत्तीसगढ़ ही नहीं, बल्कि पूरे देश के कला और संस्कृति जगत की बड़ी क्षति है। उन्होंने अपने गायन से पंडवानी को जीवंत बनाए रखा और छत्तीसगढ़ का गौरव विश्वभर में बढ़ाया।



तंबूरे की तान एवं बुलंद आवाज गूंजती रहेगी : साव



उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध पंडवानी गायिका डॉ. तीजन बाई के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा, इस दुःखद खबर से हम सभी को गहरा आघात लगा है। उन्होंने प्रदेश की समृद्ध कला और संस्कृति को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई। वहीं यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि पंडवानी की पहचान डॉ. तीजन बाई से थी। उनका जाना देश के लिए और छत्तीसगढ़ के लिए अपूरणीय क्षति है, जिसकी कमी भरपाई नहीं हो सकेगी। उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। करोड़ों दिलों में तंबूरे की तान एवं बुलंद आवाज गूंजती रहेगी।



लोक कलाकार ही नहीं, छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान भी

संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने अपने शोक संदेश में कहा, तीजन बाई केवल एक लोक कलाकार नहीं थीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान की जीवंत प्रतीक थीं। उन्होंने अपनी अद्भुत कला, दमदार प्रस्तुति और समर्पण से पंडवानी जैसी लोकविधा को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर प्रतिष्ठित किया। उनका निधन प्रदेश और देश की सांस्कृतिक दुनिया के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोककल परिरजनों और असंख्य प्रशंसकों को इस कठिन समय में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की।



बारिश के बीच विस्थापित परिवारों के लिए राशन सामग्री लेकर पहुंचे ढेबर

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

नवा रायपुर के समीप स्थित सम्मानपुर (नकटी) गांव में बेदखली के बाद खुले आसमान के नीचे जीवन बिताने को मजबूर 85 से अधिक परिवारों के बीच रविवार को मूसलाधार बारिश के दौरान पूर्व महापौर एजाज देबर, कांग्रेस पार्षद एवं ब्लॉक अध्यक्ष अर्जुन देबर अपने समर्थकों के साथ पहुंचे। प्रभावित परिवारों को छाते और आवश्यक राशन सामग्री वितरित कर उनके दुःख-दर्द में सहभागिता जताई।

बारिश के बीच टपकते तिरपालों और भीगी जमीन पर परिवारों से मुलाकात कर एजाज देबर ने उन्हें भरोसा दिलाया कि इस कठिन समय में वे अकेले नहीं हैं। उन्होंने कहा, किसी भी विकास कार्य की कीमत गरीबों के सिर से



गाजीणी ने जताया आभार
इस दौरान गाजीणी ने पूर्व महापौर एजाज देबर और अर्जुन देबर का आभार व्यक्त करते हुए कहा, विपरीत परिस्थितियों में उनका साथ और सहयोग उनके लिए हार्दी राहत है। प्रभावित परिवारों ने उम्मीद जताई कि उनकी आवाज शासन-प्रशासन तक पहुंचेगी और उन्हें न्याय मिलेगा। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी स्पष्ट किया कि जब तक प्रत्येक विस्थापित परिवार को उचित पुनर्वास और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं करा दी जाती, तब तक उनका संघर्ष और सहयोग दोनों निरंतर जारी रहेंगे।

छत छीनकर नहीं चुकाई जा सकती। उन्होंने कहा, यदि प्रशासन को कार्रवाई करनी ही थी तो सबसे पहले प्रत्येक परिवार के सम्मानजनक पुनर्वास की व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए थी।

पलैट, प्लॉट समेत किसी भी सेवा की रद्द बुकिंग पर अपंजीकृत खरीदार भी कर सकेंगे सीधे रिफंड का दावा

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

पलैट, प्लॉट, दुकान, व्यावसायिक परिसर या किसी अन्य सेवा की बुकिंग रद्द होने के बाद जीएसटी रिफंड को लेकर लंबे समय से बनी असमंजस की स्थिति अब काफी हद तक समाप्त हो जाएगी। छत्तीसगढ़ शासन के वार्षिाधिक्य कर (जीएसटी) विभाग ने इस संबंध में सभी क्षेत्रीय अधिकारियों को विस्तृत निर्देश जारी किए हैं। आयुक्त, राज्य कर ने केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड के सर्कुलर के अनुरूप प्रदेश में रिफंड दावों का निपटारा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

राज्य सरकार के निर्देश का सबसे बड़ा असर उन हजारों उपभोक्ताओं पर पड़ेगा, जिन्होंने किसी सेवा के लिए अग्रिम राशि के साथ जीएसटी का भुगतान किया था, लेकिन बाद में बुकिंग या अनुबंध रद्द हो गया। कई मामलों में सेवा प्रदाता (सप्लायर) ने मूल राशि तो लौटा दी, लेकिन जीएसटी का क्रेडिट नोट जारी नहीं किया अथवा कर की पूरी राशि वापस नहीं की। ऐसी स्थिति में उपभोक्ता न तो सप्लायर से कर वापस प्राप्त कर पा रहे थे और न ही सरकार से रिफंड लेने का स्पष्ट प्रावधान था। अब इस स्थिति को स्पष्ट कर दिया गया है।

बुकिंग रद्द होने पर जीएसटी रिफंड का रास्ता साफ

पूरे प्रदेश में रिफंड की एक व्यवस्था होगी :

राज्य सरकार द्वारा जारी निर्देशों का उद्देश्य पूरे प्रदेश में रिफंड प्रक्रिया को एकरूप बनाना और अधिकारियों के बीच व्याख्या संबंधी भ्रम को समाप्त करना है। अब तक कई मामलों में अलग-अलग कार्यालयों में रिफंड दावों के निस्तारण को लेकर भिन्न-भिन्न दृष्टिकोण अपनाए जा रहे थे। नए निर्देश लागू होने के बाद सभी अधिकारी एक समान प्रक्रिया के तहत ऐसे दावों का निपटारा करेंगे।

कर सकेंगे जीएसटी रिफंड का दावा

निर्देशों के अनुसार यदि किसी सेवा की आपूर्ति से पहले ही अनुबंध या बुकिंग रद्द हो जाती है और सप्लायर जीएसटी अधिनियम के तहत क्रेडिट नोट जारी करने की समयसीमा समाप्त हो जाने या अन्य कारणों से क्रेडिट नोट जारी नहीं कर सकता तो अपंजीकृत प्राप्तकर्ता स्वयं सरकार के समक्ष जीएसटी रिफंड का दावा कर सकेगा। यह व्यवस्था विशेष रूप से रियल एस्टेट क्षेत्र में फ्लैट, प्लॉट और भवनों की बुकिंग रद्द होने वाले मामलों के अलावा अन्य सभी सेवाओं पर भी लागू होगी।



अस्थायी पंजीकरण भी...

राज्य कर विभाग ने अधिकारियों को यह भी बताया है कि यदि किसी व्यक्ति ने अलग-अलग सप्लायरों से सेवाएं लीं हैं तो प्रत्येक सप्लायर के लिए अलग-अलग रिफंड आवेदन प्रस्तुत करना होगा। वहीं यदि संबंधित सप्लायर किसी दूसरे राज्य में जीएसटी के तहत पंजीकृत है तो आवेदक को उस राज्य में अस्थायी (टैम्परेरी) पंजीकरण प्राप्त कर वहीं रिफंड आवेदन करना होगा। रिफंड स्वीकृत करने से पहले अधिकारी यह भी सुनिश्चित करेंगे कि संबंधित कर का भार किसी अन्य व्यक्ति पर स्थानांतरित नहीं किया गया है। आवेदक को आवश्यक घोषणा और दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे, ताकि यह प्रमाणित हो सके कि जिस कर की वापसी मांगी जा रही है, उसका लाभ पहले से किसी अन्य माध्यम से प्राप्त नहीं किया गया है।

लेना। करोड़ों रुपये की लागत से हाल ही में निर्मित सिलयारी अंडरग्राउंड बिज पहली ही बारिश में भीषणता के डेरे में आ गया है। बारिश शुरू होते ही बिज की दीवारों में बने छिदरे से पानी का रिसाव होने लगा, जिससे वर्षा का पानी लगातार बिज के भीतर प्रवेश कर रहा है। इस स्थिति ने निर्माण कार्य के गुणवत्ता और तकनीकी मानकों के पालन पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नए निर्माण में इतनी जल्दी इस प्रकार की खामियां सामने आना चिंता का विषय है। उनका कहना है कि यदि भीषण से अधिक वर्षा के पानी का रिसाव हो रहा है, तो भविष्य में यह समस्या और गंभीर रूप ले सकती है, जिससे बिज की मजबूती और लोगों की सुरक्षा प्रभावित होने की आशंका है। ग्रामीणों और राहगीरों ने संबंधित विभाग से बिज के निर्माण कार्य की निष्पक्ष तकनीकी जांच करने, गुणवत्ता की समीक्षा करने तथा रिसाव की समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की है। उनका कहना है कि करोड़ों रुपये की सार्वजनिक राशि से बने इस महत्वपूर्ण निर्माण की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए।

स्थानीय लोगों का मानना है कि समय रहते आवश्यक मरम्मत और सुधार कार्य नहीं किए गए तो आने वाले दिनों में यह समस्या आम लोगों के लिए परेशानी का कारण बन सकती है। लोगों ने प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई कर सुनिश्चित एवं गुणवत्तापूर्ण आवगमन सुनिश्चित करने की मांग की है।

मर्मथन में व्यापक जनआंदोलन करेगी।
इस लाघो प्रतलनधलडल डल
जलला कोप्रल कमेटु रायपुर गुराणीण
द अधूशर राजेंद्र पणू बंजरल
मीसीसी प्रदेश सचलव प्रवीण साहू,
ल्लोक अधूशर वलदा भूषण
पोनवलनी सहलत वलमल साहू,
गुलेश साहू, यशवंत साहू, सरण
जगदीश भारती, शैलेंद्र यादव
अधूशरत सिन्हा, मनमोहन कोसलल
गोवर्धन साहू, जितेंद्र पटेल
लीलकंत मारकुंडेय, कृपाल सिंह-
नरकर अल कोप्रस पदाधिकारी औ
कार्यकेंद्र उपरलत रहल

समोदा चलो...

समोदा चलो...

समोदा चलो...

नगर पंचायत समोदा में लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम

में पधारे सरल सहज व कर्मठ व्यक्तित्व के धनी, छत्तीसगढ़ के लोकप्रिय मुख्यमंत्री

मान. श्री विष्णुदेव साय जी

एवं समस्त अतिथियों का
स्वागत... वंदन... अभिनंदन...

दिनांक - 06 जुलाई 2026, सोमवार, समय : 12 बजे, स्थान - नगर पंचायत समोदा, जिला- रायपुर (छ.ग.)

मुख्य अतिथि

श्री विष्णुदेव साय जी
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री केदार कश्यप जी
मान. मंत्री
वन एवं जलवायु परिवर्तन, परिवहन, खनिकी तथा
संरक्षित वन विभाग एवं प्रकृति मंत्री जिला- रायपुर

श्री श्याम बिसहारी जायसवाल जी
मान. मंत्री लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,
शिक्षा तथा श्रम एवं प्रशिक्षण विभाग

श्री टंकुराम वर्मा जी
मान. मंत्री
राज्य एवं ग्राम प्रबंधन,
पुनर्वास एवं उच्च शिक्षा विभाग

श्री गुरु खुरशवंत साहेब जी
मान. मंत्री कौशल विकास,
तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार,
अनु. नवोदय विभाग

श्री वृजमोहन अग्रवाल जी
मान. सचिव
लोकसभा क्षेत्र रायपुर

अध्यक्षता

श्री अरूण साव जी

माननीय उप मुख्यमंत्री, लोक निर्माण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी,
नगरीय प्रशासन एवं विकास, खेल युवा कल्याण छत्तीसगढ़

विशिष्ट अतिथि

श्री पुष्प कुमार मिश्र जी (अध्यक्ष, छ.ग. चर्म शिल्पकार विकास बोर्ड), **श्री नवीन कुमार अग्रवाल जी** (अध्यक्ष, जिला पंचायत रायपुर), **श्री श्याम कुमार नरैन जी** (अध्यक्ष, जिला रायपुर भाजपा ग्रामीण),
श्री मंत्री राधेश्वरी मुरारी खड्ग जी (अध्यक्ष, जनपद पंचायत, आरंग), **श्री संदीप खड्ग जी** (उपाध्यक्ष, जिला पंचायत रायपुर), **श्री जूट खरेन खरेन जी** (सभापति, जिला पंचायत, रायपुर),
श्री डॉ. संदीप जैन जी (अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद, आरंग), **श्री छोटेलाल खेनकर जी** (अध्यक्ष, नगर पंचायत समोदा), **श्री प्रदीप रैय जी** (अध्यक्ष, नगर पंचायत चंदपुरी), **श्री देवकुमार खड्ग जी** (अध्यक्ष, भाजपा मण्डल, समोदा),
श्री देवनाथ खड्ग जी (अध्यक्ष, भाजपा मण्डल, आरंग), **श्री नोबल वर्मा जी** (अध्यक्ष, भाजपा मण्डल, मंदिर हसीद), **श्री देवनाथ खड्ग जी** (अध्यक्ष, भाजपा मण्डल, नवा रायपुर)

एवं समस्त जिला पंचायत सदस्य, जनपद सदस्य, नगरीय निकाय उपाध्यक्ष, पार्षदगण, एलडरमैन, समस्त सरपंच गण,
पंचगण, समस्त क्षेत्रवासी विधानसभा क्षेत्र आरंग की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित है। उक्त कार्यक्रम में आप सादर आमंत्रित हैं।

शेषनारायण चक्रधारी
पार्षद - वार्ड क्र. 05

विक्रान्त सोनकर
पार्षद - वार्ड क्र. 08

अमर निषाद
पार्षद - वार्ड क्र. 09

चेतनलाल साहू
पार्षद - वार्ड क्र. 10

अंगेश्वर देवांगन
उपाध्यक्ष - नगर पंचायत समोदा

डोमनलाल साहू
पार्षद - वार्ड क्र. 11

राजेश कुमार साहू
पार्षद - वार्ड क्र. 13

डॉ. राजाराम साहू
एलडरमैन - नगर पंचायत समोदा

खिलावन निषाद
एलडरमैन - नगर पंचायत समोदा

रोशनलाल साहू
एलडरमैन - नगर पंचायत समोदा

छोटेलाल सोनकर

अध्यक्ष - नगर पंचायत समोदा

मान. गुरु खुरशवंत साहेब जी

केबिनेट मंत्री - छ.ग. शासन

विनीत :- नगर पंचायत समोदा

तेज बरिश्त के....

महापौर होने के नाते आपक परिवार को इस पीढ़ा में मैं पूर्णतः सहज आके साथ खुदो हूँ। मैंने मूल वैधे ने कहा, यह समय राजनीति का नहीं, बल्कि एक-दूसरे का साथ थामने का है। जनसमर्थन प्रमाणाति क्षेत्र के बीच से अपील करके हुए इस किम्वदंती के इस प्रकप के लीज वधस्थता में जो कमियाँ आई हैं, उन्हें इन दूर कर रहे हैं। पणों के जरिए पानी बिकाला जा रहा है। कृपाया संसम बहाव को, आपकी पुनरावृत्ति हमारी संसेसे पहलें करेंगे, जिस गलियों या धरों में पानी आ रहा है, वहां निजालेंगे के खंबों, द्रांसफार्म और खुले नारों से दूरों बनाकर और कट्टर के खतरों को देखते हुए धासस्थान द्वारा जो गई अस्थायी निजालेंगे के खतरों में हमारा सहयोग है।

आरंग। छात्रों की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने और सीखने के माहौल को आकर्षक बनाने के लिए सारस्वती शिशु मंदिर हाई स्कूल आरंग में कक्षा सजाओ प्रतियोगिता का आयोजन शनिवार को किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने अपनी कक्षाओं को महापुरुषों के चित्रों, शैक्षिक सामग्री और हाथ से बनाए गए चार्ट्स से सजाने के साथ-साथ स्वच्छता पर भी विशेष ध्यान दिया। इस कक्षा सजा प्रतियोगिता में कक्षा अरुण से दशम तक के भैया-बहनों ने उत्साह से हिस्सा लिया। हेडगेवार बाल कलाया समिति के उपाध्यक्ष विनोद गुप्ता, सह सचिव डॉ. तेजराम जलक्षत्री एवं सदस्य कुमर कुमार भारद्वाज ने सभी कक्षाओं का आकलन किया, जिसमें कक्षा तृतीय प्रथम स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य गोविन्द साहू ने प्रतियोगिता के मुख्य उद्देश्य को जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रतियोगिता का माध्यम से कक्षा को केवल सुंदर बनाना नहीं, बल्कि उसे शिक्षण के लिए प्रेरणादायक और जीवंत वातावरण प्रदान करना मुख्य उद्देश्य है। मूल्यांकन के मुख्य बिंदुओं में स्वच्छता — कक्षा कितनी साफ और व्यवस्थित है, सजावट — चार्ट, गुब्बारे और कलाकृतियों का सही उपयोग, तथा सहभागिता — सभी छात्रों का मिलकर कार्य करना, प्रमुख रहे।



न्यायालयात तसेलीकर पाटन, जिला दुर्ग ख.ग.
रा.प्र.क्रमांक 2026/06/109009021 36/6 अ
चर्च 2025-26

सूचना

एतद द्वारा सर्व सामान्य एवं ग्राम मोतीपुर प.ह.नं. 06 तसेलीकर पाटन जिला दुर्ग ख.ग. अंचल जगत को सूचनाय प्रकाशित किया जाता है कि आबंटित श्रीमती गंगा यार्मा पी देवेन्द्र की यात्रा निवासी दुर्ग मंदिर के पीछे हनुमान नगर लाखेयपुर गुरुग्राम तसेलीकर पाटन जिला गुरगुर ख.ग. द्वारा मौजा जगत मोतीपुर प.ह.नं. 06 तसेलीकर पाटन थिक्त पीछे का खसरा नंबर 340/1 का प्रमाणिकरण पश्चात नया खसरा नंबर 340/6 तथा क्रमा 1250 यात्रा को दिनांक 22.11.2019 के दिनांक अथवा पर नामांतरण प्रती क्रमांक 19 दिनांक 26.12.2019 को आवंटक के नाम पर नामांतरण पश्चात पश्चात ग्राम पुस्तिका पाटन किन्तु अनावसर्ग कम्प्यूटर पर नया नंबर नही होने से आवंटक के नाम दर्ज कर अनिष्टक दुस्तक किन्तु हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः आवंटक श्रीमती गंगा यार्मा पी देवेन्द्र यार्मा निवासी दुर्ग मंदिर के पीछे हनुमान नगर लाखेयपुर गुरुग्राम तसेलीकर पाटन जिला गुरगुर ख.ग. द्वारा प्रस्तुत प्रपोजनकरण अनिष्टक दुस्तक किन्तु जगत को कार्यवाही में निरत किया गया/संस्था को आपसी हेतु तो अपनी लिखित आग्रह प्रकरण में सुचारुव किन्तु 08.08.2026 के दिना नया न्यायालय में प्रस्तुत कर सक्ते है। निम्न लिखित के पश्चात प्रपोजन वार्मा/अपीन कर सक्ते प्रकार का विचार नही किया जायेगा।

इस शर्तहारे में हस्ताक्षर एवं यमुनसुर से आज दिनांक 23.06.2026 के आज किया जायेगा।

तसेलीकर पाटन,
महुर **पाटन, जिला दुर्ग (ख.ग.)**

इस संबंध में नगर पालिका अधिकारी अजितमग्न शर्मा ने बताया कि उन्हें यह जानकारी नहीं है कि संबंधित उसके कब बनाई गई थीं, क्योंकि उन्हें पदभार सभले अभी दो-तीन महीने ही हुए हैं। उन्होंने कहा कि संबंधित फाइलों का परीक्षण किया जाएगा और उसके बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही अवश्य दवा किया कि नगर में साफ-साफ पत्र विशेष ध्यान दिया जा रहा है तथा बारिश के दौरान कहीं भी पलमट्राय की स्थिति न बने, इसके लिए गलियों की लगातार सफाई कराई जा रही है।

महापौर होने के नाते आपके परिवार को इस पीढ़ा में मैं पूरी तरह आपके साथ खड़ी हूँ। मौलत चौबे ने कहा, यद्यपि राजनीति का नहीं, बल्कि एक-दूसरे का हाथ थामने का है। जलभराव प्रभावित क्षेत्र के लोगों से अपील करते हुए कक्षा में प्रकृति के इस प्रकोप के बीच व्यवस्था में जो कमियाँ आई हैं, उन्हें हम दूर कर रहे हैं। पंपों के जरिए पानी निकाला जा रहा है। कृषया संयम बनाए रखें। आपकी सुरक्षा हमारी सबसे पहली

बारिश के बीच 66% पहुंचे, व्यापम ने पूछे-सिन्थेटिक इकोनॉमिक्स के लेखक, कंप्यूटर प्रोग्रामिंग जैसे सवाल

हरिभूमि न्यूज़ ►► रायपुर

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल ने रविवार को उप अंकेक्षक भर्ती परीक्षा आयोजित की। प्रदेशभर से इसके लिए 16 हजार 300 आवेदन प्राप्त हुए थे। इनमें से 59 प्रतिशत अभ्यर्थी ही परीक्षा दिलाने पहुंचे। प्रदेश के स्थान पर राजधानी रायपुर में उपस्थिति का प्रतिशत अधिक रहा। रायपुर में 8089 छात्रों ने आवेदन किया था। इनमें से 34.36 प्रतिशत अर्थात 2779 ही अनुपस्थित रहे। शेष 5310 विद्यार्थी भारी बारिश के बाद भी परीक्षा दिलाने केंद्र पहुंचे।

यह भर्ती 69 रिक्त पदों को भरने के लिए निकाली गई थी। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन 29 अप्रैल 22 मई 2026 तक चले। एडमिट कार्ड 25 जून को आयोजित किया गया। छत्तीसगढ़ अधीनस्थ सहकारी (अलिपिक वर्गीय संघ) तृतीय श्रेणी सेवा के तहत वेतन मैट्रिक्स लेवल-6 में यह भर्ती होगी। न्यूनतम योग्यता बीकॉम मांगी गई थी। परीक्षा केंद्र 5 संभागीय मुख्यालय रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, जगदलपुर और अंबिकापुर में बनाए गए। परीक्षा में निर्गटिव मार्किंग का भी प्रावधान रहा।



रायपुर में 24 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। मौसम के मिजाज को देखते हुए व्यापम ने पहले ही सभी केंद्रों को निर्देश दिए थे कि वे आपातकाल के लिए जनरेटर तैयार रखें। बारिश के कारण अभ्यर्थियों की जांच प्रक्रिया भी तक्ष में अथवा छात्रों के स्थान में की गई। तकनीकी पद होने के कारण अभ्यर्थियों से सवाल भी तकनीकी पूछे गए। इसमें कंप्यूटर संबंधित सवालों के साथ-साथ पंजी प्रविष्टि, डिफॉल्ट लेजर, अर्थात् लाभांश जैसे प्रश्न शामिल रहे। परीक्षा देकर निकले अभ्यर्थियों ने प्रश्नों का स्तर औसत से कठिन बताया।

ये सवाल रहे शामिल

- कंप्यूटर प्रोग्रामिंग भाषाओं को उनके आविष्कार के क्रम में व्यवस्थित करें।
- कंप्यूटरीकृत लेखांकन प्रणाली किस पर आधारित है?
- अनुसंधान का सही क्रम क्या है?
- भारत में कंपनी के खातों का ऑडिट किस वर्ष कंपनी अधिनियम के अंतर्गत अनिवार्य किया गया?
- छग सहकारी सोसायटी अधिनियम 1960 के अंतर्गत सोसायटियों का ऑडिट कराने का जिम्मा किसका है?
- कौन सी कंपनियां लघु कंपनी नहीं हो सकती?
- संचार प्रक्रिया का सही क्रम क्या है?
- भारत में बैंकिंग व्यवस्था के प्रारंभिक चरणों को बढ़ते क्रम में व्यवस्थित करें।
- सिन्थेटिक इकोनॉमिक्स के लेखक कौन हैं?
- छग में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य पोषित जैविक खेती मिशन कब से संचालित है?

एक्सपायरी मिल्क पावडर पीने से नवजात की मौत!

हरिभूमि न्यूज़ ►► रायपुर

तबीयत बिगड़ने पर आंबेडकर अस्पताल पहुंचे सात महीने के बच्चे की मौत के बाद परिजनों ने हंगामा कर दिया।

■ परिजनों का आरोप, पुलिस में शिकायत के बाद जांच शुरू कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि मिल्क पावडर पीने के बाद उसकी मौत हुई, जिसे उन्होंने

मरहीमाता मंदिर के समीप स्थित दवा दुकान से खरीदा था। मामले की शिकायत मोदहापारा थाने में की गई है, इस आधार पर पुलिस जांच शुरू हुई है।

एसीपी दीपक मिश्रा ने बताया कि दलदल सिवनी में रहने वाले चंद्रशेखर कन्नौजे की शिकायत के आधार पर पुलिस ने अपनी जांच शुरू की है। चंद्रशेखर की पत्नी को आंबेडकर अस्पताल में ग्री-मेच्योर बेबी हुआ था। इस बच्चे के लिए उसने आंबेडकर अस्पताल के समीप स्थित लक्ष्मी मेडिकल हॉल से मिल्क पावडर खरीदा था।



अस्पताल में इलाज के दौरान बच्ची की मौत हो गई। चिकित्सकों ने बताया कि उसे इंफेक्शन हो गया था। इस दौरान यह बात सामने आई कि उसे दिया जाने वाला मिल्क पावडर एक्सपायरी था। मौत के बाद अस्पताल में गहमागहमी का माहौल बन गया और सूचना पर अस्पताल प्रबंधन के साथ पुलिस अधिकारी भी संबंधित वार्ड तक पहुंच गए। चंद्रशेखर की लिखित शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू की है। इस दौरान दवा दुकान के संचालक को संबंधित तारीख का सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने निर्देश दिए गए हैं। मामले की जानकारी खाद्य एवं औषधि प्रशासन को भी दे दी गई है। इस मामले में जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने भी जांच का आदेश दिया है।

पत्नी की किडनी से पति को जीवनदान, एम्स में 100वां प्रत्यारोपण पूरा

हरिभूमि न्यूज़ ►► रायपुर

डायलिसिस के भरोसे जीवन काट रहे 54 वर्षीय मरीज को पत्नी की किडनी से जीवनदान मिल गया। इसके साथ आ यु र्वि ज्ञा न संस्थान (एम्स) अभी भी 150 मरीज

14 लोगों का कैडेवर डोनेशन, इंतजार में अंभी भी 150 मरीज से जीवनदान मिल गया। इसके साथ आ यु र्वि ज्ञा न संस्थान (एम्स) में गुर्दा का 100 वां प्रत्यारोपण पूरा कर लिया। यहाँ 14 लोगों का कैडेवर डोनेशन पूरा किया गया इसके बाद डेढ़ सौ मरीजों को ऐसे दानदाताओं का इंतजार है। प्रत्यारोपण के 98 केस आयुष्मान स्वास्थ्य योजना से निशुल्क पूरा किया गया।

एम्स राज्य का एकमात्र शासकीय संस्थान है, जहाँ किडनी प्रत्यारोपण की प्रक्रिया पूरी हो रही है। साथ ही ब्रेनडेड मरीजों के अंगदान के मामले में एम्स



राज्य के तमाम अस्पतालों से अव्वल है। पिछले चार साल से डायलिसिस के भरोसे जीवन जी रहे 54 साल के मरीज को पत्नी से दान में मिली किडनी का प्रत्यारोपण किया गया, जो संस्थान का 100 वां केस है। प्रत्यारोपण के बाद दोनों मरीजों को विशेषज्ञों की निगरानी में आईसीयू में रखा गया है जहाँ वे स्वस्थ हो रहे हैं। चिकित्सकों ने बताया कि यहाँ प्रत्यारोपण आयुष्मान स्वास्थ्य सहायता योजना के माध्यम से किया जा रहा है जिसका लाभ 98 मरीजों को मिला है। प्रायवेट सेक्टर में इस ट्रांसप्लांट के लिए बड़ी राशि खर्च होती है जो एम्स में स्वास्थ्य योजना से निशुल्क पूरा हुआ है। दावा किया गया है कि यहाँ 91 प्रतिशत ग्राफ्ट सर्वाइवल तथा 92 प्रतिशत मरीजों की सर्वाइवल दर हासिल कर उत्कृष्ट परिणाम भी दर्ज किए हैं। एम्स में अब तक 14 ब्रेनडेड मरीजों का अंगदान करवाने में सफलता मिल चुकी है। इन अंगों से एम्स के अलावा अन्य अस्पतालों के मरीजों को भी फायदा मिला है।

बच्चों के असंगत रक्त समूह वालों का प्रत्यारोपण

एम्स में विशेषज्ञों की टीम ने किडनी पेयर्ड डोनेशन (स्वैप ट्रांसप्लांट), रक्त समूह असंगत के साथ बच्चों में किडनी प्रत्यारोपण जैसी जटिल एवं अत्याधुनिक प्रक्रियाओं में भी सफलता प्राप्त की है। 100 प्रत्यारोपण पूरा होने पर संस्थान में एक समारोह में प्रत्यारोपण टीम, ट्रांसप्लांट को-ऑर्डिनेटर्स, आईसीयू नर्सिंग स्टाफ तथा आयुष्मान मित्रों को एम्स के कार्यपालक निदेशक अशोक ज़िंदल ने सम्मानित किया गया।

आवश्यकता है हरिभूमि

छत्तीसगढ़ का नंबर 1 अखबार

सीनियर मार्केटिंग एजीक्यूटिव

मार्केटिंग एजीक्यूटिव

योग्यता - स्नातक, कम्प्यूटर का ज्ञान अनुभवी को प्राथमिकता

संपर्क : 9522283349, 07714242252

inhnewshr@gmail.com

हरिभूमि कार्यालय, टिकरापारा पंचपेड़ी नाका, रायपुर (छ.ग.)

online Booking: www.tripuryatra.com

सुविधा ज्यादा, सबसे कम राशि पर

स्लीपर मात्र 17,500/-

15 दिन

चार धाम यात्रा

श्री केदारनाथ, श्री बद्रीनाथ, श्री गंगोत्री

श्री यमुनोत्री, श्री हरिद्वार, श्री ऋषिकेश

श्री त्रियुगीनारायण

अन्य दर्शन - काशी विधवाध, पंच प्रयाग दर्शन - विष्णुप्रयाग, नंदप्रयाग, कर्णप्रयाग, रुद्रप्रयाग, देवप्रयाग, माना गाँव (भारत का अंतिम गाँव), प्रारी देवी, चोपता

15 सितम्बर, 26 सितम्बर, 10 अक्टूबर, 22 अक्टूबर, 2026, 02 मई 2027

राशि: स्लीपर -17,500/-, 3 एसी- 25,500/-, 2 एसी- 30,500/- (+5% GST)

Since-2007

श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति

RAIPUR: D-36, Sector-4, Kamal Vihar, KORBIA: Shop No. 301, 302, 303 S.S. Plaza, Power House Road

संपर्क करें:- 7354-411411

मा. अटल श्रीवास्तव

विधायक कोटा

श्रीमती गजमती भानू

जिलाध्यक्ष कांग्रेस

डॉ. के.के. ध्रुव

पूर्व विधायक मरवाही

मा. राकेश जालान

अध्यक्ष, न.पा.प. पेण्ड्रा

मा. अमित जोशी

पूर्व विधायक मरवाही

मा. तालजी यादव

जिलाध्यक्ष भाजपा

मा. राकेश चतुर्वेदी

जिला उपाध्यक्ष भाजपा

सुश्री समीरा पैकरा

अध्यक्ष, जिला पंचायत

मा. प्रणव कुमार मरपच्ची

विधायक मरवाही

मा. संजय गुप्ता

संचालक, श्री धन्वन्तरि केमिकल

डा. सुकान्त विस्वास

संचालक, बिस्वास जनरल हॉस्पिटल

डा. प्रकाश सुल्तानिया

संचालक, स्वास्तिक हॉस्पिटल

श्रीमती रीतजा स्वामी

प्राचार्य, माँ कल्याणिका पब्लिक स्कूल, पेण्ड्रा रोड

मा. गुरु खुशवंत साहेब

कैबिनेट मंत्री छ.ग. शासन

हरीभूमि & inh

समाचार ही नहीं, विचार भी बढ़ते भारत की आवाज

Presents

जिला संवाद 2026

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही

छत्तीसगढ़ सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर जिले के विकास में कारगर हो रही योजनाओं, विकास कार्यों एवं समस्याओं पर विस्तार से चर्चा एवं मंथन एक मंच पर

6 जुलाई 2026, सोमवार, समय : दोपहर 1.00 बजे से

कार्यक्रम स्थल - असेम्बली हॉल, मल्टीपरपज स्कूल, पेण्ड्रा, जिला-गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही (छ.ग.)

इस महत्वपूर्ण अवसर पर आपकी गरिमामयी उपस्थिति गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही के विकास को सुनिश्चित करेगी।

सहयोग:- स्वास्तिक हेल्थ केयर एंड डायग्नोस्टिक सेंटर मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल एवं ट्रामा सेंटर **विस्वास जनरल हॉस्पिटल** **श्री धन्वन्तरि केमिकल** **फरमानिया हार्डवेयर पेण्ड्रा**

जिला संवाद 2026

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही

जिला संवाद 2026

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही

MP

TATA PLAY

1155 366 229 350 172 367 359 236 253 227

CG

TATA PLAY

1155 366 222 367 347 345 314 326 1150 397 478 812

एवं सभी केबल नेटवर्क पर उपलब्ध

● पंडवानी की जीवंत और अद्भुत एकल अभिनय प्रस्तुति से श्रोताओं के दिल में सदा के लिए बस गई लोकगायिका

पद्मविभूषण तीजन बाई की ख्याति ऐसी, जिसने बॉलीवुड के सितारों को भी दरवाजे तक आने कर दिया मजबूर



छत्तीसगढ़ी लोककला की दुनिया में ब्रांड एंबेसडर रहीं

दुनिया में पंडवानी के माध्यम से छत्तीसगढ़ी लोककला को जो पहचान पद्मविभूषण तीजन बाई ने दिलाई, उसके लिहाज से कहें तो वे छत्तीसगढ़ी लोककला की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ब्रांड एंबेसडर रही हैं। छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध लोक कलाकार डॉ. राकेश तिवारी ने पंडवानी गायिका तीजन बाई के साथ जुड़ी अपनी कुछ यादें साझा करते हुए कहा कि मैं उनसे संस्कृति विभाग के माध्यम से 2001 से जुड़ा था और राज्य से लेकर देश-दुनिया में शासकीय सांस्कृतिक महोत्सव में काम करने का मौका मिला। पद्मविभूषण तीजनजी पंडवानी की कपालिक शैली और एकल अभिनय की यूनिवर्सिटी थीं। महाभारत के अलग-अलग पात्रों की जीवंत और अद्भुत प्रस्तुति में उनका कोई जवाब ही नहीं था।



लोक संगीत के सिलेबस में सिखाती थीं पंडवानी

लोक कलाकार डॉ. पुरुषोत्तम चंद्रकार यादें साझा करते हुए बताते हैं कि सन 2001-02 में चित्रोत्पला कला परिषद जेतूसाव मठ पुरानी बस्ती में हम लोक संगीत की छात्र-छात्राओं को पद्मविभूषण तीजन बाई पंडवानी सिखाने आती थीं। उनके साथ कई अवसरों पर मंच साझा करने का मौका भी मिला। इतनी बड़ी लोक कलाकार से पंडवानी सीखना हम छात्र-छात्राओं के लिए गर्व का विषय रहा।

बोल दे वृंदावन बिहारी लाल की जय...मोरे सना नना नना...पंडवानी की पद्मश्री, पद्मविभूषण और पद्मविभूषण से सुवासित लोक कलाकार तीजन बाई ने दुनिया को अपनी कला प्रतिभा का कायल बना दिया। पद्मविभूषण तीजन बाई पंडवानी की कापालिक शैली और एकल अभिनय की यूनिवर्सिटी थीं। पंडवानी कार्यक्रम के मंच पर जब वे तंबूरे की तान के साथ बोल दे वृंदावन बिहारी लाल की जय के उद्घोष के साथ मोरे सना नना नना...के मधुर गायन से सुर साधतीं तो दर्शक मंत्रमुग्ध हो उठते। वे अपनी प्रस्तुति के दौरान क्षण भर में भीम, क्षण में अर्जुन, द्रौपदी समेत महाभारत के अलग-अलग पात्रों के जीवंत और अद्भुत एकल अभिनय से श्रोताओं व दर्शकों का मन मोह लेतीं।

रायपुर। तीजन ने छत्तीसगढ़ के एक छोटे से गांव से शुरूआत कर लोककला पंडवानी को अंतर्राष्ट्रीय मंचों की गरिमा बना डाला। तीजन का पंडवानी गायन व शैली की ऐसी ख्याति दुनिया में प्रसिद्ध हुई कि बालीवुड के सितारे उनके दरवाजे तक आकर उनकी प्रतिभा के सामने नतमस्तक हो गए। पद्मविभूषण तीजन बाई पंडवानी की कपालिक शैली को वैश्विक मंचों पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने वाली अद्वितीय कलाकार बनीं। तीजन बाई पहली महिला थीं, जिन्होंने इस परंपरा को तोड़ा और पुरुषों द्वारा गाई जाने वाली पंडवानी की कपालिक शैली को अपनाया। हाथ में तंबूरा लेकर उनकी दमदार आवाज और सजीव प्रस्तुति ने उन्हें इस कला की जीवंत यूनिवर्सिटी बना दिया। लोककला पंडवानी को दुनियाभर में पहचान दिलाने वाली कलाकार तीजन बाई को समर्पित उनसे जुड़े लोगों की जुबानी श्रद्धांजलि स्वरूप कुछ यादें साझा कर रहे हैं।



रुड़ियों को तोड़कर कला को विश्व पटल पर किया अमर छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के गनियारी गांव में जन्मी डॉ. तीजन बाई ने पंडवानी की कपालिक शैली खड़े होकर अभिनय और गायन को अपनी सबसे बड़ी पहचान बनाया। जब महिलाओं के लिए मंच पर गाना और तंबूरा बजाना वर्जित माना जाता था, तब उन्होंने रुड़ियों को तोड़कर इस कला को विश्व पटल पर अमर कर दिया। उनकी जादुई आवाज, दमदार अभिनय और महाभारत के पात्रों को मंच पर जीवंत कर देने की अद्भुत क्षमता ने दुनियाभर के दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बॉलीवुड के अभिनेता रणवीर कपूर और निदेशक इमतिआज अली तीजन बाई से मिलने मिलाई क सेक्टर-1 स्थित उनके निवास पर भी पहुंचे थे।



नई पीढ़ी को सौंप गई पंडवानी की विरासत

पद्मविभूषण तीजन बाई की नई पीढ़ी की शिष्या, पंडवानी गायिका तरुणा साहू यादें साझा करती हुई कहती हैं कि जब भी मैं अम्माजी से मिलती थीं, वे मेरी हाथ पकड़कर अपना गीत सुनाने को कहती थीं कि सदा न फूलें तोरई, सदा न सावन होय, सदा न जेवन थिर रहे, सदा न जीवे कोये...। जब मैं 1994 में 6वीं कक्षा में पढ़ रही थी, तब जवाहर नवोदय विद्यालय माना से पंडवानी कार्यशाला शिविर बोराई गांव में लगाया गया था। जहां भारत सरकार द्वारा पंडवानी को स्कूलों बच्चों के माध्यम से नई पीढ़ी को विरासत सौंपने के उद्देश्य से प्रशिक्षण दिया जा रहा था। इस पंडवानी कार्यशाला की प्रशिक्षक अम्माजी थीं, तब से वे मेरी गुरुमां बनीं। आज गुरुमां पंडवानी के सुर बनकर मेरी सांसों में नई पीढ़ी की पंडवानी बनकर जिंदा हैं।



महिला लोक कलाकारों के सम्मान की प्रतीक बनीं

पंडवानी गायिका प्रमा यादव ने पद्मविभूषण तीजन बाई के साथ अपनी यादें साझा करते हुए कहा, वे उन्हें अम्माजी कहकर संबोधित करती थीं। अम्माजी ने पंडवानी को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति दिलाकर महिला लोक कलाकारों को सम्मान दिलाया। वे महिला लोक कलाकारों का प्रतीक बनीं। उनसे पहली मुलाकात 8 वर्ष के उम्र में गांव खरोरा बड़डोह में एक कार्यक्रम के दौरान हुई थी। तब से वे मुझे प्रेरित करती रहीं। वे पंडवानी कला के माध्यम से सदा-सदा के लिए जीवित रहेंगी।

सिटी इवेंट

समय रहते निदान और उपचार से दिव्यांगों के जीवन को बनाया जा सकता है सक्षम



रायपुर। दिव्यांगजन कौशल विकास, पुनर्वास और सशक्तिकरण के लिए समग्र क्षेत्रीय केन्द्र राजनांदगांव, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के अधीन कार्यरत संस्थान द्वारा इन्द्रजीत सिंह अध्यक्ष सर्व समाज कल्याण समिति के सहयोग से दिव्यांगजन पुनर्वास सेवाओं, प्रारंभिक हस्तक्षेप, शैक्षणिक पाठ्यक्रमों तथा भारत सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

जागरूकता सत्र के दौरान सीआरसी राजनांदगांव के अधिकारियों द्वारा केन्द्र में उपलब्ध विभिन्न पुनर्वास सेवाओं जैसे फिजियोथेरेपी, ऑक्जुपेशनल थेरेपी, विजन थेरेपी, स्पीच और हियरिंग सेवाएं, विशेष शिक्षा, क्तिनिकल साइकोलॉजी सहित अन्य बहुविषयक सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उपस्थित अभिभावकों और नागरिकों को बच्चों में विकास संबंधी विलंब अथवा दिव्यांगता की शीघ्र पहचान व प्रारंभिक हस्तक्षेप के महत्व से अवगत कराया गया। बताया गया कि समय रहते निदान और उपचार प्रारंभ होने से बच्चों के समुचित विकास व बेहतर जीवन गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सकती है।



पुनर्वास एवं विशेष शिक्षा के क्षेत्र में किया जागरूक
इस अवसर पर केन्द्र द्वारा संचालित डिप्लोमा इन इंडियन साइज लैंग्वेज इंटरप्रेटेशन तथा डिप्लोमा इन एजुकेशन स्पेशल एजुकेशन-इंटेलेक्चुअल एंड डेवलपमेंटल डिसएबिलिटीज पाठ्यक्रमों की भी विस्तृत जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को इन पाठ्यक्रमों की पात्रता, स्वरूप तथा वर्तमान समय में पुनर्वास एवं विशेष शिक्षा के क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार एवं कैरियर की संभावनाओं के संबंध में अवगत कराया गया। साथ ही सलाह दी गई कि वे अपने आवश्यक दस्तावेज जैसे दिव्यांगता प्रमाण-पत्र, यूडीआईडी कार्ड, आधार कार्ड, आय प्रमाण-पत्र और अन्य आवश्यक अभिलेख अद्यतन रखें, ताकि भविष्य में किसी भी शासकीय योजना का लाभ सहजता से प्राप्त किया जा सके। कार्यक्रम में प्रशांत मेश्राम, धर्मेन्द्र साहू, मनुप्रताप साहू, आकाश राय, दिलीप वर्मा, नितिन देवांगन सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

दो और रास्ते आसान, अब लगाएंगे पौधे

विप्रनगर के रास्तों को नंबरों से पहचान देने का सिलसिला जारी



रायपुर। रायपुरा के विप्रनगर के रास्तों को नंबरों से पहचान देने का सिलसिला जारी है। रविवार को बी ब्लॉक के दो मार्गों पर बोर्ड लगाए गए। सेंट्रल रोड के बी ब्लॉक के स्ट्रीट नंबर 12 और 13 में विधिवत पूजा अर्चना कर नागरिकों ने बोर्ड की स्थापना की। इस अवसर पर जेआर शर्मा, टीके श्रीवास, संजय शर्मा, प्रदीप नन्दनवान,एसपी गोस्वामी, रुपेंद्र नायक, , सचिन बिसेन, शक्ति सिंह ठाकुर, डालेंद्र

बापुरे, एसप्रधान , प्रशांत धीवर, कोमल नंदनवान, अजय पाठक, पवन साहू, अंजिता देशमुख, अरुणा वर्मा, पुष्पा श्रीवास सहित कई गणमान्य रहवासी सम्मिलित हुए जिससे उत्सव जैसा माहौल बना हुआ था। श्री शर्मा ने बताया कि गणमान्य नागरिकों ने आपस में तय किया है कि विप्र नगर में साफ सफाई का विशेष ध्यान रखेंगे। बोर्ड स्थापना के तुरंत बाद पौधारोपण होगा तथा इन बोर्डों की

सुरक्षा भी करेंगे । छत्तीसगढ़ महतारी के जयकारे लगाते हुए राष्ट्रगान से इस कार्यक्रम का समापन किया गया ।

मेंटर ने दी बधाई

रायपुर नगर निगम महापौर मीनल चौबे ने ऐसे कदमों को सराहा है तथा विप्र नगरवासियों को बहुत-बहुत बधाई दी है व विप्र नगर के विकास के लिए हर संभव मदद करने की बात दोहराई है ।

योग शिविर में अभ्यास, आसनों से सजा मां गोदावरी आनंदवन आश्रम

रायपुर। मां गोदावरी आनंदवन आश्रम में सन टू ह्यूमन फाउंडेशन द्वारा विशेष योग, प्राणायाम एवं स्वास्थ्य जागरूकता शिविर किया गया। फाउंडेशन के साधक, प्रबुद्धजन, योगप्रेमी एवं आश्रम में निवास करने वाले बुजुर्ग माता-पिता बड़ी संख्या में शामिल हुए। सभी ने सामूहिक रूप से योगाभ्यास कर स्वस्थ, निरोग एवं संतुलित जीवन का संदेश दिया। योग शिविर में प्रशिक्षकों द्वारा प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम, ध्यान, सूक्ष्म व्यायाम एवं श्वास संबंधी अभ्यास कराए। साथ ही योग के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक फायदे की जानकारी दी। बुजुर्गों की आयु एवं स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उन्हें सरल एवं सहज योग क्रियाओं का अभ्यास कराया गया। जिससे वे नियमित रूप से योग को अपने जीवन का हिस्सा बना सकें। शिविर के दौरान विशेषज्ञों ने बताया कि नियमित योग करने से शरीर स्वस्थ एवं ऊर्जमान रहता है, मानसिक तनाव कम होता है, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।



यहां प्रत्येक बुजुर्ग परिवार का अभिन्न सदस्य

बढ़ती उम्र में नियमित योग एवं प्राणायाम करने से अनेक बीमारियों से बचाव होता है तथा मन प्रसन्न और सकारात्मक होता है। उन्होंने कहा कि मां गोदावरी आनंदवन में निवासरत प्रत्येक बुजुर्ग परिवार का अभिन्न सदस्य है। आश्रम में उनके स्वास्थ, भोजन, उपचार, मनोरंजन, मानसिक संतुलन एवं सम्मानपूर्ण जीवन के लिए निरंतर प्रयास किए जाते हैं। समय-समय पर स्वास्थ परीक्षण, योग शिविर एवं प्रतिदिन सुबह- शाम आश्रम में योग करवाता हु एवं , आध्यात्मिक प्रवचन, सांस्कृतिक एवं मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन कर बुजुर्गों को परिवार जैसा खेहपूर्ण वातावरण प्रदान किया जाता है।

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह की मौजूदगी में दोहराया संकल्प

स्कूलों में शौचालय और हर जिले में मेडिकल कैंप लगाने का प्रस्ताव, सम्मेलन में नई कार्यकारिणी ने ली शपथ

कारनर न्यूज

रायपुर। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन की नवगठित कार्यकारिणी की शपथ ग्रहण समारोह एवं प्रथम कार्यकारिणी मीटिंग रविवार को मैक कॉलेज परिसर समता कॉलोनी में रखी गई। इसमें बतौर मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और पूर्व विस अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल के साथ मंच पर अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बसंत मित्तल, राष्ट्रीय महामंत्री गोपाल गोयल राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष नाथूराम जैन, अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष सोहनलाल मित्तल प्रमुख रूप से मंचस्थ रहे। इनकी उपस्थिति और गरिमामय वातावरण में सरकारी स्कूलों में शौचालय और हर जिले में मेडिकल कैंप लगाने को लेकर प्रस्ताव सहित सरोकार से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चाओं का दौर चला। राष्ट्रीय संरक्षक विनीत लोहिया, सुरेश गोयल, राष्ट्रीय संरक्षक विजय गुप्ता, समाजसेवी अशोक गुप्ता, उद्योगपति विजय गुप्ता, समाज के छत्तीसगढ़ प्रभारी ईश्वर प्रसाद अग्रवाल, प्रदेश अध्यक्ष रामअवतार अग्रवाल, प्रदेश महामंत्री कर्तव्य अग्रवाल और महेश अग्रवाल मंच पर उपस्थित रहे। जहां विधानसभा अध्यक्ष डा. रमन सिंह द्वारा नव नियुक्त पदाधिकारियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।



समाज की नई पीढ़ियों से भी बहुत उम्मीद

समारोह में शपथ दिलाने के बाद अग्रवाल सम्मेलन को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि समाजवाद के पहले प्रणेता अग्रसेन महाराज थे, उन्हीं के बताए मार्ग पर अग्रवाल समाज देश और राज्य में चल रहे है। देश की अर्थव्यवस्था हो, चाहे छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था हो, व्यवसाय के साथ शिक्षा के क्षेत्र में समाज आगे बढ़कर काम कर रहा है। समाज की नई पीढ़ियों से भी बहुत उम्मीद है। छत्तीसगढ़ के विकास में प्रदेश के अग्रवाल समाज के बंधुओं का बहुत बड़ा योगदान है। वहीं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री अग्रवाल ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने समाज को आगे बढ़ाने का काम किया है। इस परंपरा को हमें आगे ले जाना है, सभी अग्रवाल समाज के पदाधिकारियों को बधाई देते हुए समाज के लिए आगे बेहतर काम करने की बात कही।

इन सामाजिक कुरीतियों पर लगाएंगे लगाम



राष्ट्रीय अध्यक्ष बसंत मित्तल ने कहा कि आगामी कार्ययोजना तैयार की गई है। इसमें समाज को छत्तीसगढ़ और देश-विदेश में एकत्रित करना है। उन्होंने कहा कि समाज पर किसी भी तरह की तकलीफ आती है, तब उसके लिए समाज पूरी शक्ति के साथ प्रभावित परिवार के साथ खड़ा रहेगा। समाज में फैली कुरीतियां, प्री-वेडिंग शूट, फोटो वीडियो और दहेज प्रथा को खत्म करने का काम किया जाएगा। नशाखोरी, मदिरापान पर रोक सहित दुखद घटना होने से सामाजिक भोज की मनाही, राजनीतिक क्षेत्र में भी भागीदारी बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा। इस आयोजन को सफल बनाने में प्रदेश के महामंत्री कर्तव्य अग्रवाल ने अहम भूमिका निभाई। अलग-अलग काम के लिए 100 टीम बनाई गई थीं, उनकी सहभागिता से सम्मेलन संपन्न हुआ।

एजुकेशन अलर्ट

भारतीय रिजर्व बैंक में यंग प्रोफेशनल पदों के लिए भर्ती की अंतिम तिथि आज

रायपुर। भारतीय रिजर्व बैंक में यंग प्रोफेशनल पदों पर भर्ती चल रही है। जो भी युवा इस भर्ती के लिए पात्रता पूरी करते हैं, वे इसमें शामिल होने के लिए बिना देरी करते हुए आज 6 जुलाई तक आवेदन प्रक्रिया पूर्ण कर सकते हैं।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सिक्योरिटी, क्वांटम टेक्नोलॉजी, क्लाउड फाइनेंस, डाटा एनॉलिटिक्स या इकोनॉमिक रिसर्च जैसे क्षेत्रों में पोस्ट-ग्रेजुएशन कर चुके उम्मीदवार फॉर्म भरने के लिए योग्य हैं। इस भर्ती में चयनित होने वाले युवाओं की नियुक्ति 3 वर्ष के कॉन्ट्रैक्ट के आधार पर होगी। प्रदर्शन के आधार पर अनुबंध 5 वर्ष तक के लिए एक्सटेंड किया जा सकता है। चयनित होने वाले युवाओं को 1.5 लाख सैलरी प्रतिमाह प्रदान की जाएगी।

आयु 30 साल से ज्यादा नहीं होनी चाहिए

इस भर्ती में आवेदन करने वाले उम्मीदवारों के फॉर्म की स्कैनिंग की जाएगी एवं शॉर्टलिस्ट हुए उम्मीदवारों को डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन, पर्सनल इंटरव्यू के लिए बुलाया जाएगा। इस चरण में सफल अभ्यर्थियों को रिक्त पदों पर तैनात किया जाएगा। इस भर्ती में मांग लेने के लिए उम्मीदवार ने संबंधित विषय में पोस्ट ग्रेजुएट, एमटेक, पीएचडी, डाटा साइंस, कंप्यूटर साइंस, फाइनेंस, इकोनॉमिक्स, स्टैटिस्टिक्स या अन्य नि्धारित डिग्री प्राप्त की हो। अभ्यर्थी को न्यूनतम उम्र 21 वर्ष एवं अधिकतम आयु 30 साल से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। उम्र की गणना 6 जुलाई 2026 के अनुसार होगी। ध्यान रखें कि आवेदन करने वाले उम्मीदवार का भारतीय नागरिक होना जरूरी है।

सिटी लाइव

भारत विकास परिषद संकल्प ने रोपे 600 पौधे हरी साड़ी पहनकर ली संरक्षण की जिम्मेदारी



रायपुर। मानसून की शुरुआत के साथ ही रायपुर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सराहनीय पहल शुरू हो गई है। भारत विकास परिषद, संकल्प शाखा के पर्यावरण संयोजक यशोद गुप्ता के नेतृत्व में संगठन के कार्यकर्ताओं ने ग्राम तुलसी में 450 और सकरी स्थित डहरिया स्पोर्ट्स अकादमी में 150 पौधे रोपे। संगठन ने केवल पौधरोपण तक ही सीमित न रहकर इन 600 पौधों की रक्षा और देखभाल के लिए स्थानीय जिम्मेदारों को इनकी जिम्मेदारी भी सौंपी, ताकि रोपे गए पौधे पूरी तरह सुरक्षित रह सकें और जीवित रहें। इस विशेष अभियान के दौरान ग्राम तुलसी की महिला कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखा गया। महिलाओं ने एकरूपता का

संदेश देते हुए हरे रंग की साड़ी पहनकर न केवल पौधरोपण किया, बल्कि वृक्षों की नियमित देखभाल का संकल्प भी लिया। भारत विकास परिषद, संकल्प शाखा द्वारा पौधरोपण के साथ-साथ पर्यावरण प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए जनसंवाद और जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। कार्यकर्ताओं ने ग्रामीणों को बताया कि प्लास्टिक को खुले में फेंकने से नालियां जाम होती हैं, मिट्टी की उर्वरा शक्ति नष्ट होती है और बेजुबान पशुओं की जान को खतरा उत्पन्न होता है। इस पूरे अभियान में गड्डे खोदने से लेकर पौधे रोपने तक भारत विकास परिषद के सदस्य पम्पू राठी, स्नेहलता बघेल, वालिका साहू और नीमा गुप्ता ने सक्रिय भूमिका निभाई।

लाइव इवेंट

नांद मंजरी स्पर्धा में दिखाई प्रतिभा फोक डांस पर खूब बर्जी तालियां



रायपुर। केयर फाउंडेशन द्वारा आयोजित अखिल भारतीय नांद मंजरी गायन, नृत्य एवं वादन प्रतियोगिता में गीतांजली संगीत महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कई पुरस्कार अपने नाम किए। प्रतियोगिता में गायन विधा में गुरु पूर्वा ब्रह्मभट्ट के मार्गदर्शन में आर. रिशान और भावना टंडन ने जूनियर एकल वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि डॉ. आशुतोष तिवारी ने सीनियर एकल वर्ग में द्वितीय स्थान हासिल किया। कथक नृत्य में गुरु विधि इंगले के निर्देशन में नविष्ठा ठाकुर ने जूनियर एकल वर्ग में द्वितीय तथा हिया ठाकुर ने तृतीय स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम

रोशन किया। वहीं फोक डांस (जूनियर ग्रुप) प्रतियोगिता में छवि साहू, याशी साहू, सुक्तीका साहू एवं नव्या महोबिया की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त कर शानदार सफलता अर्जित की। प्रतियोगिता के दौरान नांद मंजरी संस्था द्वारा कथक गुरु विधि इंगले को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए गुरु सम्मान से सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर गीतांजली संगीत महाविद्यालय के प्राचार्य व्हीएन भोले ने सभी विजेता छात्र-छात्राओं, उनके गुरुजनों एवं अभिभावकों को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभव शुभकामनाएं दीं।

शनिवार शाम से शुरू हुई बारिश ने बदला संडे का नजारा, महादेव घाट में उमड़े सैलानी

फुहारों के बीच मौज-मस्ती...मौसमी भुट्टे का स्वाद लेने खारून तट पहुंच रहे लोग, भीगने से बचने रेनकोट-छतरी की पूछपरख

बारिश ने शनिवार की शाम दस्तक देने के साथ ही शहर के लोगों को खुशनुमा संडे का एहसास दिया। सुबह धूल की परतों से ढंके पत्तों की कालिख हटने से हरियाली की सुखद अनुभूति लोगों ने की। मौसम खास इसलिए भी रहा, क्योंकि दिनभर हल्की बूंदाबांदी ने लोगों को बाहर घूमने-फिरने के लिए प्रोत्साहित किया। इसके चलते सुबह से शाम तक फुहारों के बीच मौजमस्ती और मौसमी भुट्टे का स्वाद लेने के लिए खारून तट पर मेला लगा। वहीं लगातार बारिश को देखते हुए बाजार में रेनकोट और छतरी की पूछपरख अब तेज हो गई है। भीगने से बचने के लिए लोगों ने बाजार का रुख किया, इसके चलते दिनभर रौनक रही।



नदी के आसपास दिनभर रही चहल-पहल

देस्तों और परिवार के साथ घूमने के लिए महादेवघाट पहुंचे सैलानियों ने नदी के दोनों तट क्षेत्रों में हरियाली को देखते हुए आनंदित थे, इस सुखद पल को मोबाइल में कैद किया। वहीं युवाओं का ग्रुप नदी के आसपास जमा रहा, जैसे ही शाम को कुछ देर के लिए फुहारें थमीं, वे तट क्षेत्र और पुल पर ठहरने के बाद आकर्षक प्रकृति को निहारने में मशगूल रहे। कई लोगों ने पुल पर खड़े होकर बैकग्राउंड में नदी को लंबालब होते लम्हे को यादगार बनाया। वहीं नौका विहार का अवसर भी कम लोगों को मिला।



पकौड़े और चाय की दुकानें सजाईं। इससे लोगों को मौसमी व्यंजनों का स्वाद लेने का अवसर मिला। प्रकृति के बीच सुखद पल बिताते के लिए पहुंचे लोगों ने सेल्फी और ग्रुप फोटो खिंचवाने में रूचि ली। यह नजारा इसलिए देखने को मिल रहा था, क्योंकि खारून में पानी का स्तर भी बढ़ने लगा है।

रेनकोट की अब वारंटी रंगबिरंगी छतरी भी खास



बंजारी चौक के कारोबारी विनोद साहू ने बताया कि बारिश शुरू होने से याहकी ने बाजार की रौनक बढ़ा दी। रेनकोट कंपनियों द्वारा बारिश में नौकरीपेशा व विद्यार्थियों का भी विशेष ध्यान रखा है। बारिश में विद्यार्थी व नौकरीपेशा लोगों के लिए भी इस बार खास तौर से तैयार किए गए रेनकोट उपलब्ध करवा रहे हैं। इसमें व्यक्ति को बचाने के साथ ही उनके लैपटॉप व बैग को भी बरसात नहीं भीगा जाएगा। कंपनियों ने रेनकोट के साथ ही लैपटॉप को पानी से सुरक्षित रखने के लिए अलग से उसमें जगह दी है। इतना ही नहीं 2500 की रेंज में इस रेनकोट को खरीदने वाले लोगों को एक ही रेनकोट को रिवर्स करके पहन सकेंगे। इससे उन्हें दो तरह के लुक मिलेंगे। इसे खरीदने पर वारंटी भी मिलेगी। इसे देखते हुए लोगों रुझान रेनकोट के प्रति बढ़ रहा है। इस बार भी फॉर्लिंग छतरी की मांग है।

जरूरत और पसंद की कई वैरायटी

रेनकोट बाजार में इस बार 100 से 150 वैरायटी में रेनकोट और छतरी उपलब्ध कराने दुकानें सजकर तैयार हैं। जहां लोगों की जरूरत और पसंद के लिए कई वैरायटी हैं। बरसात की दस्तक को देखते हुए इस बार रेनकोट की मांग दिनभर रही। रेनकोट व आकर्षक रंगबिरंगे पैसी छतरी छतों को खरीदी पर लोग फोकस कर रहे हैं। महिलाओं और बच्चों के लिए रंगबिरंगे छतरे की पूछपरख हर वर्ग ने की। महिलाओं के अलावा पुरुषों के लिए सामान्य व डबल फोल्ड वाले छतारों की भरमार 200 से 400 की रेंज में होने से लोगों से प्राथमिकता दिया। बच्चों की स्कूल छोड़ने के लिए छतरी और बच्चों के रेनकोट खरीदने में पालकों ने उत्साह दिखाया।

सामाजिक समरसता, संघाठन को मजबूत बनाने पर जोर

रायपुर। छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थोरानी ने सहयोगी किशोर आहुजा, सुभाष बजाज के साथ छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. अशोक अग्रवाल के निवास पहुंचकर उनके स्वास्थ्य की कुशलक्षेम जानी तथा आत्मीय सौजन्य भेंट की। सौहार्द के वातावरण में इस मुलाकात के दौरान अग्रवाल समाज एवं सिंधी समाज के बीच सामाजिक एकता, सहयोग, व्यापारिक हितों के संरक्षण, सामाजिक उत्तरदायित्व, युवाओं की सहभागिता और छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स में अग्रवाल समाज की सक्रिय एवं प्रभावी भूमिका जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया। प्रदेश अध्यक्ष श्री थोरानी को हाल ही में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के नेतृत्व में आयोजित विदेशी व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में कनाडा सहित विभिन्न देशों की आधिकारिक यात्रा में सहभागिता का अवसर प्राप्त हुआ। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित विभिन्न बैठकों में छत्तीसगढ़ के व्यापार एवं उद्योग जगत से जुड़े विषयों को प्रभावी ढंग से रखा।



समाज को मजबूती देने कई विषयों पर संवाद

श्री आहुजा ने बताया कि उनकी सक्रिय भूमिका, व्यापारिक हितों के प्रति प्रतिबद्धता तथा छत्तीसगढ़ के व्यावसायिक समुदाय का सशक्त प्रतिनिधित्व करने के लिए डॉ. अशोक अग्रवाल ने सभी अतिथियों का भगवान श्री अग्रसेन महाराज के पावन अंगवस्त्र ओढ़ाकर अभिगन्धन किया। उन्होंने कहा कि समाजों के मध्य आत्मीय संवाद, पारस्परिक विश्वास एवं सहयोग की भावना ही सामाजिक समरसता और संगठनात्मक मजबूती का आधार है। दोनों पक्षों ने इस बात पर सहमति व्यक्त किया कि, व्यापारिक संगठनों और सामाजिक संस्थाओं के बीच निरंतर संवाद एवं समन्वय से समाज और व्यापार जगत दोनों को नई ऊर्जा एवं सकारात्मक दिशा प्राप्त होगी। समाजहित, व्यापारी हित एवं जनकल्याण से जुड़े विषयों पर अविष्य में भी मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

छत्तीसगढ़ में पत्रकारिता को संस्कार देने वाले पं. त्रिवेदी को किया याद

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पत्रकारिता के पितामह पं. स्वराज्य प्रसाद त्रिवेदी की जयंती पर प्रेस क्लब और छत्तीसगढ़ मित्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित समारोह में रांची से आए प्रोफेसर जंग बहादुर पांडेय ने कहा कि पं. त्रिवेदी ने महावीर प्रसाद द्विवेदी के सिद्धांतों का पत्रकारिता में अनुपालन किया, इसका परिणाम हुआ कि आज भी छत्तीसगढ़ की पत्रकारिता में संस्कार हैं। अध्यक्षता साहित्य परिषद के अध्यक्ष शशांक शर्मा ने की। प्रेस क्लब में हुए समारोह में मुख्य अतिथि प्रो. पांडेय ने कहा कि पं. त्रिवेदी ने छत्तीसगढ़ कैसा हो, इसकी कल्पना अपनी कविता में की थी। वे आजादी के पहले, आजादी के बाद और छत्तीसगढ़ निर्माण के साक्षी रहे हैं। उनका लेखन समाजोपयोगी रहा है, इसलिए आज भी प्रासंगिक हैं। साहित्य परिषद के अध्यक्ष शशांक शर्मा ने कहा कि आजादी के पहले पं. त्रिवेदी ने विकास की पत्रकारिता की। विशिष्ट अतिथि डॉ. शाहिद अली ने पं. त्रिवेदी के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि उन्हें अपने स्वतंत्रता सेनानी से संस्कार मिले। ग्रामीण पत्रकारिता के विकास में उनका उल्लेखनीय योगदान रहा। वह एक संस्था की तरह लोगों को प्रशिक्षित करते चले गए।



साहित्य और पत्रकारिता के सेतु

वशिष्ट पत्रकार गिरिश पंकज ने कहा कि पत्रकारिता की आज की परंपरा में जो कुछ अच्छा है, वह उनकी देन है। तीन पीढ़ियों को उनके साथ काम करने का अवसर मिला। डॉ. सुशील त्रिवेदी ने प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए उन्हें साहित्य और पत्रकारिता का सेतु बताया। प्रेस क्लब अध्यक्ष मोहन तिवारी ने आज की पीढ़ी को पं. त्रिवेदी के लेखन की महता बताई। डॉ. सुधीर शर्मा ने कहा कि यह आयोजन छत्तीसगढ़ की पत्रकारिता के संस्कार और गिरंरता का अनुष्ठान है। इस अवसर पर डॉ. सुधीर शर्मा द्वारा संपादित पुस्तक पं. स्वराज्य प्रसाद त्रिवेदी प्रतिनिधि रचनार्ण का विमोचन किया गया। पं. स्वराज्य प्रसाद त्रिवेदी ने विकास पत्रकारिता, जनसंस्कृति, ग्रामीण पत्रकारिता और छत्तीसगढ़ी साहित्य के उत्थान को महत्व दिया। समारोह का संचालन डॉ. सीमा चंद्राकर ने किया। समारोह में इतिहासकार डॉ. रमेशनाथ मिश्र, डॉ. लक्ष्मीशंकर निगम, शशि चरवंडकर, डॉ. वीणा हाडा, शकुंतला तरार, डॉ. सीमा निगम सहित प्रबुद्ध श्रोता शामिल हुए।

नवकार नगर जिनालय में श्रद्धा और भक्ति के साथ विशेष स्नात्र पूजा

13 नदियों के जल से बच्चों ने कराया भगवान शांतिनाथ को स्नान, खुशहाली के लिए प्रार्थना

कार्न न्यूज

रायपुर। नवकार नगर स्थित श्री मुनिसुव्रत स्वामी जिनालय में रविवार को विशेष स्नात्र पूजा का आयोजन श्रद्धा, भक्ति के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में 100 बच्चों (6 से 14 वर्ष) ने अपनी माताओं के साथ भाग लिया। विशेष रूप से जुलाई माह में जन्मे बच्चों के लिए प्रार्थना एवं मंगलकामना की गई और उनके उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य तथा सुख-समृद्धि के लिए आशीर्वाद प्रदान किया गया। मंदिर ट्रस्ट के विवेक डागा ने बताया कि प्रातःकाल आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में जैन धर्म की परंपराओं के अनुरूप पूजा-अर्चना, स्तुति, मंगल पाठ और विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न किए गए। श्रद्धालुओं ने भगवान के समक्ष परिवार और बच्चों की खुशहाली के लिए प्रार्थना की बत्ता दें कि स्नात्र शब्द का अर्थ है स्नान कराना। जैन धर्म में स्नात्र पूजा अत्यंत पवित्र और भावनात्मक अनुष्ठान मानी जाती है। यह केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि, विनम्रता और आध्यात्मिक जागरण का प्रतीक है।



आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करना उद्देश्य

कार्यक्रम का संचालन सपना, परिधि, प्रणीत भंसार्ली एवं विमा कानुना ने किया। आयोजन समिति ने सभी श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के धार्मिक कार्यक्रम समाज में आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पूरे आयोजन के दौरान जिनालय परिसर भक्ति और श्रद्धा के माहौल से सराबोर रहा तथा श्रद्धालुओं ने भगवान का आशीर्वाद प्राप्त कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

तीर्थंकर के जन्माभिषेक का दिव्य स्मरण

पूजन के दौरान विधिकारकों ने बच्चों को बताया कि जैन धर्म में स्नात्र पूजन सबसे प्राचीन और मंगलकारी पूजाओं में से एक माना जाता है। 'स्नात्र' का अर्थ है स्नान या अभिषेक। जैन मान्यता के अनुसार, जब किसी तीर्थंकर का जन्म होता है, तब इन्द्र और देवगण उन्हें मेघ पर्वत पर ले जाकर दिव्य जल से अभिषेक करते हैं। उसी पावन जन्माभिषेक की स्मृति में श्रद्धापूर्वक स्नात्र पूजन किया जाता है। स्नात्र पूजन में भगवान के प्रति भक्ति के साथ आत्मशुद्धि, सम्यक दर्शन और संयम का भाव जागृत किया जाता है। यह पूजा हमें संदेश देती है कि वास्तविक पवित्रता बाहरी नहीं, बल्कि मन के राग-द्वेष, अहंकार और कषायों को दूर करने में है। इस पूजन में 13 पवित्र नदियों का भी विशेष स्मरण किया जाता है। जैन बह्मंड विद्वान में वर्णित इन नदियों गंगा, सिंधु, रोहिता, रोहितास्या, हरिकाज्जा, हस्तिनी, सीतोदा, सीता, नारी, नरकान्ता, सुवर्णकूला, रूप्यकूला और रक्ता के पवित्र जल का भावपूर्ण आवहन कर भगवान के जन्माभिषेक का प्रतीकात्मक निधान किया जाता है। यह जल केवल बाहरी शुद्धि का नहीं, बल्कि आत्मा की निर्मलता और आध्यात्मिक जागरण का प्रतीक माना जाता है।

सिटी स्पोर्ट्स

बारिश में हो सकती है इलेक्ट्रोलाइट की कमी आहार में लाएं बदलाव



बारिश के इस मौसम में अक्सर कुछ लोगों को इलेक्ट्रोलाइट की कमी की वजह से कमजोरी महसूस होती है। इलेक्ट्रोलाइट्स कम होने के और भी कई लक्षण दिख सकते हैं। आइए जानते हैं कि किन चीजों को डाइट में शामिल करने से इलेक्ट्रोलाइट्स का संतुलन बना रहता है। हमारे शरीर को ठीक से काम करने के लिए सही मात्रा में इलेक्ट्रोलाइट्स बहुत जरूरी होता है। ये खनिज (मिनरल्स) शरीर में तरल पदार्थों को संतुलित रखने, नसों के ठीक से काम करने और मांसपेशियों को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। जब शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स का संतुलन बिगड़ जाता है, तो थकान, मांसपेशियों में ऐंठन और चक्कर आने जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

अच्छी बात यह है कि हम कुछ आम खाद्य पदार्थों से ही इन जरूरी इलेक्ट्रोलाइट्स जैसे सोडियम, मैग्नीशियम और पोटेशियम की कमी को पूरा कर सकते हैं। ये खाद्य पदार्थ न केवल स्वादिष्ट होते हैं बल्कि आपके शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स का सही संतुलन बनाए रखने में भी मदद करते हैं।

इलेक्ट्रोलाइट्स कम होने के लक्षण



हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए इलेक्ट्रोलाइट्स बहुत जरूरी होते हैं। ये नसें, मांसपेशियां और शरीर में तरल पदार्थों का संतुलन बनाए रखते हैं। जब इनकी कमी होती है, तो शरीर कई संकेत देते हैं। मुख्य लक्षणों में लगातार थकान, कमजोरी, और मांसपेशियों में ऐंठन या दर्द शामिल हैं। आपको चक्कर आना, सिरदर्द या हल्का महसूस हो सकता है। कुछ लोगों को दिल की धड़कन अनियमित महसूस हो सकती है, जो एक गंभीर संकेत है। इसके अलावा, पेट की समस्याएं जैसे कब्ज या उल्टी भी हो सकती हैं। यदि ये लक्षण बार-बार दिखें, तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें।

नारियल पानी के लाभ

नारियल पानी इलेक्ट्रोलाइट्स का सबसे अच्छा स्रोत है, जिसमें पोटेशियम, सोडियम, और मैग्नीशियम प्रचुर मात्रा में होते हैं। यह डिहाइड्रेशन को रोकता है और गर्मी या व्यायाम के बाद तुरंत ऊर्जा देता है। एक गिलास नारियल पानी में लगभग 600 मिलीग्राम पोटेशियम होता है, जो रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करता है। मानसून में दस्त के दौरान नारियल पानी पीना एक अच्छा विकल्प है। इसे सुबह खाली पेट या व्यायाम के बाद पिएं।

एवोकाडो और केले

एवोकाडो पोटेशियम और मैग्नीशियम का उत्कृष्ट स्रोत है, जो मांसपेशियों की ऐंठन को कम करता है और हृदय स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है। इसमें हेल्दी फैट भी होती है, जो ऊर्जा प्रदान करती है। एक मध्यम आकार का एवोकाडो सलाद या स्मूदी के रूप में खाया जा सकता है। दूसरी ओर, केले में पोटेशियम और विटामिन बी6 प्रचुर मात्रा में होता है, जो मेटाबॉलिज्म और इम्युनिटी को बेहतर बनाता है। एक केला रोजाना नाश्ते में या स्नैक के रूप में खाने से इलेक्ट्रोलाइट संतुलन बना रहता है।

दालें और फलियां

दालें और फलियां, जैसे मूंग, चना, राजमा, और मसूर, मैग्नीशियम, पोटेशियम, और फाइबर से भरपूर होती हैं। ये पाचन को बेहतर बनाती हैं और इलेक्ट्रोलाइट्स की पूर्ति करती हैं। अब क्योंकि दाल में नमक भी पड़ता है तो ये सोडियम की कमी को पूरा कर देता है। मूंग दाल या चने की सब्जी रोजाना खाने से मांसपेशियों और हड्डियों को मजबूती मिलती है। इन सब के साथ इलेक्ट्रोलाइट्स का संतुलन बनाए रखने के लिए रोज 2-3 लीटर पानी जरूर पिएं।



देश में हार्ट अटैक के मरीज की तादाद लगातार बढ़ रही

दिल की बीमारियों का कोई वंशानुगत रिकार्ड नहीं है तो भी हार्ट अटैक से खुद को सुरक्षित न समझें, मानें डॉक्टर की सलाह



आप हार्ट अटैक से सुरक्षित हैं? आइए इस सवाल की जवाब ढूँढते हैं।

क्या कहते हैं डॉक्टर?

दिल्ली स्थित एक निजी अस्पताल में वरिष्ठ कार्डियोलॉजिस्ट डॉ रवि प्रकाश कहते हैं, ये सही है कि जिन लोगों के माता-पिता या खून के रिश्ते वालों को हृदय रोग, हाई ब्लड प्रेशर की समस्या रही है, ऐसे लोगों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। ये स्थितियां आपमें भी हार्ट से संबंधित समस्याओं को बढ़ाने वाली हो सकती हैं। हालांकि अक्सर लोगों को लगता है कि अगर उनके परिवार में किसी को दिल की बीमारी नहीं हुई है, तो उन्हें हार्ट अटैक का खतरा नहीं है। लेकिन सच्चाई इससे काफी अलग है।हार्ट अटैक केवल अनुवांशिक वजहों से ही नहीं होता, हमारी जीवनशैली और पर्यावरण भी इसमें अहम भूमिका निभाते हैं।



बिना फैमिली हिस्ट्री के भी हो सकते हैं हार्ट अटैक का शिकार

इसी को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार, दुनियाभर में हर साल करीब 1.8 करोड़ लोग दिल की बीमारियों से जान गंवाते हैं। इनमें से बड़ी संख्या उन लोगों की है, जिन्हें फैमिली

बरसात में नमक से भरी कटोरी को फ्रिज रखें

अगर आप एक कटोरी में नमक भरकर फ्रिज में रख देंगी, तो आपको पता है कि क्या होगा? यह आपकी बड़ी मुश्किल को हल कर सकता है। चलिए इस लेख में बताएं कि इससे आपका काम कैसे आसान होगा। नमी की वजह से सब्जियां जल्दी गल जाती हैं, मसाले भी खराब हो जाते हैं और सबसे बड़ी मुश्किल है नमक हो जाता है गीला! गीला नमक न सिर्फ इस्तेमाल में मुश्किल होता है बल्कि डिब्बे में जम भी जाता है। ऐसे में लोग तरह-तरह के जुगाड़ अपनाते हैं, कभी इसमें चावल डाल हैं, तो कभी इसे धूप में सुखाते हैं। मगर

क्या आपको पता है कि नमक सूखा हो या गीला आपकी एक बड़ी समस्या को हल कर सकता है? क्या आपने कभी सोचा है कि अगर आप नमक से भरी एक कटोरी को अपने फ्रिज में रख दें, तो क्या होगा? यह छोटा-सा किचन हैक बड़े काम का है। यह आपके फ्रिज और किचन की नमी को भी चुपचाप सोख लेता है। आइए आपको बताएं कि यह कैसे काम करता है। बरसात में नमक से भरी कटोरी को फ्रिज में रखने से क्या होता है? मेरी मम्मी अक्सर बारिश के दिनों में कभी नमक की कटोरी तो कभी पोटली फ्रिज में रखती है।

विश्व पैरा तीरंदाजी सीरीज में फ्रांस से मुकाबले में कांस्य पदक जीता छत्तीसगढ़ के टोमन ने

रायपुर। चेक गणराज्य के नोवे मस्टो ना मोरावे में विश्व पैरा तीरंदाजी सीरीज का आयोजन 26 जून से 5 जुलाई तक हुआ। भारतीय तीरंदाजी संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैलाश मुरारका ने बताया कि इस प्रतियोगिता में भारतीय तीरंदाजी संघ की 32 सदस्यीय पैरा तीरंदाजी टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। जिसमें छत्तीसगढ़ के होनहार पैरा तीरंदाज टोमन कुमार ने अपने साथी श्याम सुंदर स्वामी के साथ टीम स्पर्धा में फ्रांस की मजबूत टीम को 150-148 के रोमांचक अंतर से पराजित कर भारत को कांस्य पदक दिलाया।

मुरारका ने कहा कि इस उपलब्धि से न केवल भारत का गौरव बढ़ा है, बल्कि छत्तीसगढ़ का नाम भी अंतरराष्ट्रीय खेल जगत में और अधिक सम्मान के साथ स्थापित हुआ है। उन्होंने बताया कि टोमन कुमार पिछले दो वर्षों में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 8 से 10 अंतरराष्ट्रीय पदक अपने नाम कर चुके हैं। उनकी मेहनत, अनुशासन और समर्पण उन्हें विश्व स्तर के श्रेष्ठ पैरा तीरंदाजों की श्रेणी में स्थापित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि टोमन कुमार का अगला लक्ष्य 2027 के पैरा ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए देश के लिए पदक जीतना है। यदि वे इस लक्ष्य को हासिल करते हैं, तो यह पूरे भारत



के साथ-साथ छत्तीसगढ़ के लिए भी अत्यंत गौरव और दोहरा खुशी का अवसर होगा।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर छत्तीसगढ़ तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, रायपुर के सांसद बुजर्माहन अग्रवाल, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव, छत्तीसगढ़ तीरंदाजी संघ के महासचिव आयुष मुरारका, संघ के पदाधिकारियों, प्रशिक्षकों, खिलाड़ियों तथा प्रदेश के विभिन्न जिलों के खेल प्रेमियों ने टोमन कुमार और श्याम सुंदर स्वामी को शुभकामनाएं दी हैं। सभी ने विश्वास व्यक्त किया कि टोमन कुमार आने वाले वर्षों में भारतीय तिरंगे को विश्व के सबसे बड़े खेल मंच पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे और ओलंपिक में पदक जीतकर भारत तथा छत्तीसगढ़ का नाम स्वर्णिम अक्षरों में अंकित करेंगे।

हिस्ट्री नहीं थी।

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन की रिपोर्ट के मुताबिक, हार्ट अटैक के 80% मामले जीवनशैली से जुड़े कारणों से होते हैं, न कि केवल जीन से। आंकड़ों से पता चलता है कि भारत में 20-40 साल की उम्र के लोगों में हार्ट अटैक के मामले तेजी से बढ़े हैं, इनमें से कई लोगों का कोई फैमिली हिस्ट्री नहीं थी।

इन कारणों से हो सकता है हार्ट अटैक

डॉ रवि प्रकाश बताते हैं, भले ही फैमिली हिस्ट्री न हो



फिर भी कुछ स्थितियां आपमें हार्ट अटैक के खतरे को बढ़ाने वाली हो सकती है। इसका सबसे बड़ा कारण है अस्वास्थ्यकर खान-पान जैसे ज्यादा ऑयली, जंक फूड, मीठा और प्रोसेस्ड फूड का सेवन दिल पर बुरा असर डालता है। इसी तरह से धूम्रपान और शराब की आदत भी दिल की सेहत के लिए ठीक नहीं है। शारीरिक निष्क्रियता यानी दिनभर बैठकर काम करना और व्यायाम न करना एक बड़ा रिस्क फैक्टर है। हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज जैसी स्थितियां अचानक हार्ट अटैक का कारण बन सकती हैं। क्रॉनिक स्ट्रेस और नींद न पूरी होने से दिल की धड़कन अनियमित हो सकती हैं और हार्ट अटैक का जोखिम रहता है। इसके अलावा शरीर में ज्यादा फैट या मोटापा होने से धमनियां ब्लॉक हो सकती हैं और हार्ट अटैक का कारण बन सकती है।

डॉक्टर कहते हैं, फैमिली हिस्ट्री का होना या न होना हार्ट अटैक के खतरे को पूरी तरह तय नहीं करता। अगर आपके परिवार में पहले से किसी को दिल की बीमारी नहीं है, तो भी आप पूरी तरह सुरक्षित नहीं हैं।

उन्होंने बताया कि इससे फ्रिज सुरक्षित रहता है। नमक रखने से क्या होता है, आइए जानें-

नमी को सोखता है

नमक एक नेचुरल ह्यूमिडिटी एब्जॉर्बर यानी नमी सोखने वाला तत्व होता है। फ्रिज के अंदर भी नमी बढ़ जाती है, जिससे सब्जियों की लाइफ कम हो जाती है और बदबू भी आने लगती है। ऐसे में एक खुली कटोरी में थोड़ा नमक भरकर फ्रिज के कोने में रख देने से वह अतिरिक्त नमी को सोख लेता है।



टेटे में विनय-ऋचा ने बाजी मारी बैडमिंटन में शैलेश- पर्ली विजेता

रायपुर। भारतीय जीवन बीमा निगम, रायपुर मंडल की दो दिवसीय 58वीं मध्य क्षेत्रीय टेबल टेनिस एवं बैडमिंटन प्रतियोगिता का समापन रायपुर के सप्रे शाला टेबल टेनिस हॉल एवं बैडमिंटन हाल में हुआ। प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश एवं

छत्तीसगढ़ में कार्यरत 8 मंडलों के 24 खिलाड़ियों ने शिरकत की थी। रविवार को सुबह 10.00 बजे हुए प्रतियोगिता के रोमांचक मुकाबलों का बोमा कर्मियों के साथ साथ राजधानी की खेलप्रेमी जनता ने भी जमकर लुत्फ उठाया। प्रतियोगिता के फायनल राउंड में टेबल टेनिस के पुरुष वर्ग में रायपुर मंडल के विनय बैसवाड़े एवं महिला वर्ग में इंदौर मंडल की ऋचा पटवर्धन विजेता रहे तथा बैडमिंटन के पुरुष वर्ग में बिलासपुर मंडल के शैलेश साहू एवं महिला वर्ग में पर्ली ठाकुर विजेता रहे।

फ़ायनल मैचों के परिणाम

टेबल टेनिस पुरुष वर्ग फायनल में विजेता रहे विनय बैसवाड़े (रायपुर मंडल) ने केशव खंडेलवाल (रायपुर मंडल) को 4-0 से हराया। तृतीय स्थान पर हिमाशु रंगशाही (इंदौर मंडल) तथा चतुर्थ स्थान पर सुशांत श्रीवास्तव (सतना मंडल) रहे। महिला वर्ग फायनल में विजेता ऋचा पटवर्धन (इंदौर मंडल) ने साक्षी धर्नविजय (रायपुर मंडल) को 4-0 से हराया। तृतीय स्थान पर कोनू पाल (भोपाल मंडल) तथा चतुर्थ स्थान पर श्रीजी गुप्ता (शहडोल मंडल) रहे। बैडमिंटन पुरुष वर्ग फायनल में विजेता रहे शैलेश साहू (बिलासपुर मंडल) ने सुनील चंद्राकर (भोपाल मंडल) को 21-16, 21-18 से हराया। तृतीय स्थान पर जुगल संजीव पटेल (रायपुर मंडल) तथा चतुर्थ स्थान पर अमित कुमार निगम (भोपाल मंडल) रहे। महिला वर्ग फायनल में विजेता पर्ली ठाकुर (भोपाल मंडल) ने विनीता एक्का (बिलासपुर मंडल) को 21-8 ,21-12 से हराया। तृतीय स्थान पर पुष्पिका तिग्गा (शहडोल मंडल) तथा चतुर्थ स्थान पर जिशा टिग्गा (रायपुर मंडल) रही। टेबल टेनिस प्रतियोगिता के मुख्य निर्णायक अंतर्राष्ट्रीय अंपायर प्रवीण निरापुरे, सहायक मुख्य निर्णायक अंतर्राष्ट्रीय अंपायर गीता पंडित तथा बैडमिंटन प्रतियोगिता के मुख्य निर्णायक रायपुर जिला बैडमिंटन संघ सचिव अनुराग दीक्षित, सहायक मुख्य निर्णायक हेमंत क्रिस्टोफर थे।

प्रमुख रूप से उपस्थित थे

आयोजन सचिव संध्या राज ने बताया कि पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि भारतीय जीवन बीमा निगम, मध्य क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल के प्रादेशिक प्रबंधक (पैशन एवं समूह बीमा) एम.सी. कौशिक और विशिष्ट अतिथि प्रादेशिक प्रबंधक (एचआरडी) एम. कविराज थे। अध्यक्षता भारतीय जीवन बीमा निगम रायपुर मंडल के विपणन प्रबंधक रविन्द्र कुमार पटेल ने की।

Education Time

MODEL ENGLISH HR. SEC. SCHOOL

Admission Open For Pre Primary & Classes 1st - 12th (Maths, Bio, Arts, Com.)

Register Now at www.mesraipur.com

Civil Lines, Katara Talab Road, Raipur (C.G.)

Contact : 94252-14413, 93296-21221

Bright Kids ACADEMY

ADMISSION OPEN! Session: 2026-27

PRESCHOOL & DAYCARE CENTRE

Transportation Facilities Available

Web.: <https://brightkidmont.com/schools/best-pre-school-in-raipur-bright-kids-academy>

Address: Near Ramkrishna Hospital, Triveni Vihar, Pachpedi Naka Raipur (C.G.)

ROYAL PUBLIC SCHOOL

In Pursuit of Excellence

Admission Open For Play Group, Pre-Primary, Classes 1st to 12th (Maths, Bio, Com. Arts)

Chourasiya Colony Near, Simran City Santoshi Nagar, Raipur

Call - 0771-4913336, 9589085558

Transport Service Available

Contact to Add Your School - 7987119756

रायपुर बाजार

Contact For Advertisement

79871 19756

90981 38778

पटेल बोरवेल्स

संतोषी नगर, रायपुर

9200003357, 7999898750

Kirloskar, TEKNO, C.R.I. PUMPS, Jindal

मोटर वाईडिंग, वाटर पंप, रिपेयरिंग कार्य किया जाता है।

पैसा चाहिए? हमारे पास आइए

(केवल विजनेस लोन) एजेंट आमंत्रित

न्यूनतम कागजी कार्यवाही 5 हजार से 5 लाख तक विजनेस लोन

मोटवानी फायनेंस

गली नं. 03, सिंधी कॉलोनी, तेलीवांचा, रायपुर

93404-44755

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

जॉनसन ने प्रशंसक के माथे पर किया सिग्नेचर, रॉक का वीडियो वायरल

जॉनसन ने अपने प्रशंसकों के साथ एक खास वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इसी के साथ उन्होंने बच्चों को ज़िंदगी को लेकर खास सलाह दी है। हॉलीवुड के मशहूर अभिनेता ड्वेन जॉनसन (द रॉक) ने हाल ही में स्कूली बच्चों से मुलाकात की और उन्हें ज़िंदगी की एक बड़ी सीख दी। ड्वेन ने सोशल मीडिया पर इस मुलाकात का एक वीडियो भी शेयर किया है। ड्वेन जॉनसन ने इंस्टाग्राम हैडल पर अपने प्रशंसकों के साथ एक खास वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में स्कूल के बच्चे रॉक को देखकर बेहद खुश नजर आ रहे हैं। इन्हें में से एक रॉक की प्रशंसक ने उनसे कहा कि वह उनके माथे पर कुछ खास लिखें, जो बिल्कुल अलग हो। इस पर ड्वेन ने प्रशंसक के माथे पर लिखा, 'आई लव यू' इसी के साथ उन्होंने अपना सिग्नेचर भी किया। एक बच्चे ने ड्वेन से कहा कि उसके दोस्तों को विश्वास ही नहीं होगा कि वह इतने बड़े एक्टर से मिल रहा है। इस पर ड्वेन ने हंसते हुए कहा, 'अब उन्हें यकीन हो जाएगा। यह कोई नकली या AI वीडियो नहीं है, हम सच में मिल रहे हैं।' इसके बाद रॉक ने वहीं पर मौजूद बच्चों के साथ सेल्फी खींची। ड्वेन जॉनसन इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'मोआना' के प्रचार में बिजी हैं। यह साल 2016 में आई सुपरहिट एनिमेटेड (कार्टून) फिल्म का लाइव-एक्शन रीमेक है। फिल्म में कैथरीन लामेया 'मोआना' का मुख्य रोल निभा रही हैं। ड्वेन जॉनसन 'माउंट ड्रेड' के दमदार किरदार में नजर आएंगे। यह कहानी मोआना नाम की एक लड़की की है, जो अपने द्वीप और लोगों को बचाने के लिए समुद्र के खतरनाक रास्तों पर एक अनोखे सफर पर निकलती है।

टॉलीवुड

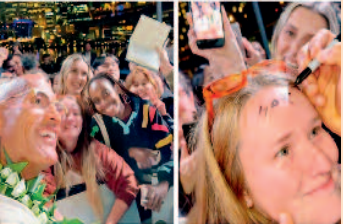
दिखी चाचा-भतीजे की जबरदस्त बॉन्डिंग, राम चरण ने की पवन कल्याण की तारीफ

राम चरण ने हाल ही में अपने चाचा और आंध्र प्रदेश के डिप्टी चीफ मिनिस्टर पवन कल्याण के साथ समय बिताया। राम चरण और आंध्र प्रदेश के डिप्टी चीफ मिनिस्टर पवन कल्याण की यह मुलाकात अमरावती में हुई, जिसकी कुछ झलकियां उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर कीं। साथ ही एक्टर ने एक खास नोट भी शेयर किया। राम चरण ने अपने एक्स अकाउंट पर मुलाकात की तस्वीरें शेयर कीं। फोटोज पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा, 'गरु के साथ एक शानदार शाम बिताई। अमरावती में बन रहे जन सेना पार्टी के नए ऑफिस की प्रगति देखकर बहुत अच्छा लगा। पूरी टीम को आगे की यात्रा के लिए शुभकामनाएं।' शेयर की गई तस्वीरों में राम चरण और पवन कल्याण को साथ में देखा जा सकता है। ये फोटो अमरावती में बन रहे जन सेना पार्टी के नए ऑफिस की हैं। यह मुलाकात एक तरफ जहां पारिवारिक समय थी, वहीं राम चरण ने पार्टी के नए मुख्यालय का काम भी करीब से देखा। पोस्ट सामने आते ही दोनों सितारों के फैंस काफी उत्साहित नजर आए। लोगों ने चाचा-भतीजे की इस बॉन्डिंग की खूब तारीफ की। साथ ही राम चरण ने पार्टी के काम को लेकर अपनी सराहना भी जताई और पूरी टीम को शुभकामनाएं दीं। पवन कल्याण इस समय आंध्र प्रदेश के डिप्टी चीफ मिनिस्टर हैं और फिल्म इंडस्ट्री के साथ-साथ राजनीति में भी उनका बड़ा नाम है। उनकी जन सेना पार्टी राज्य की सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा है। वर्क फ्रंट की बात करें तो राम चरण आखिरी बार डायरेक्टर बुची बाबू साना की फिल्म 'पेदी' में नजर आए थे। इस फिल्म ने 300 करोड़ से ज्यादा की कमाई की और आलोचनाओं के बावजूद ब्लॉकबस्टर साबित हुई।

भोजपुरी

'फुलौरी बिना चटनी' से लेकर 'घिस घिस' तक मिल रहा नया ठिकाना

इन दिनों सिनेमा की दुनिया में भाषाओं की लकीरें मिटने लगी हैं। जहां अब फिल्लमी कलाकार दूसरी इंडस्ट्री में स्पेशली कास्ट किए जा रहे हैं, वहीं इन दिनों साउथ से लेकर बॉलीवुड में सिनेमा में अपनी खास जगह बना रहा है। 'धमाल 4' के 'चटनी' से लेकर 'वेलकम टू द जंगल' के 'घिस घिस' गाने में भोजपुरी का रंग जमकर चढ़ा है। सालों से हिंदी सिनेमा अपनी पैन इंडिया कहानियों के जरिए दर्शकों का दिल जीतता आया है। अब इसी सफर में संगीत भी एक नई दिशा लेता नजर आ रहा है, जहां भोजपुरी धुनें और लोक रंग बॉलीवुड के गानों में नई जान भर रहे हैं। हाल ही में 'धमाल 4' के 'चटनी' से लेकर 'वेलकम टू द जंगल' का 'घिस घिस', कई हिन्दी और साउथ फिल्मों के गानों में भोजपुरी का रंग खूब चढ़ा। बॉलीवुड और साउथ इंडियन फिल्मों में भोजपुरी गानों का तड़का लगाने की एक बड़ी वजह ये है कि बड़ी संख्या में लोग इससे अपना जुड़ाव महसूस करने लगते हैं। हाल के कुछ समय से ये ट्रेंड काफी बढ़ता जा रहा है। बॉलीवुड के बाद अब साउथ की फिल्मों में भी भोजपुरी गानों और गायकों की भारी मांग होने लगी है। बता दें कि अल्लु अर्जुन, प्रभास या यश जैसे बड़े-बड़े साउथ सिनेमा के दिग्गजों की फिल्मों में आइटम नंबर से लेकर बैकग्राउंड स्कोर तक में भोजपुरी फ्लेवर देखने को मिलता है। आइए नजर डालते हैं हालिया रिलीज उन गानों पर एक नजर, जो बॉलीवुड में भोजपुरी संगीत की बढ़ती मौजूदगी को दर्शाते हैं।



बेघरों के लिए



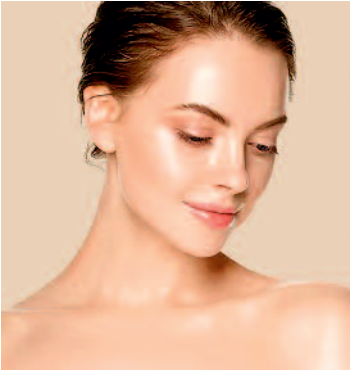
अमेरिका में 'द टीन प्रोजेक्ट' लॉरी बर्न्स नाम की एक महिला की सोच है, जो बेघर लोगों की फिक के साथ विभिन्न सामाजिक पहल के जरिए अपना योगदान देता है। इसमें फंड जुटाने फैशन शो भी आयोजित किए जाते हैं, जिससे बेघर किशोरों की मदद की जा सके। 'द टीन प्रोजेक्ट' ऐसे जोखिम वाले किशोरों को सुरक्षित आवास, उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक मदद, काउंसलिंग और एक अच्छा, खुशहाल और स्वस्थ जीवन जीने के लिए मार्गदर्शन देकर संसाधन और परिवार जैसा सहारा प्रदान करता है।



लाइट स्टाइल

बारिश में स्किन होने लगी है चिपचिपी, ऐसे दिखें फ्रेश

बारिश का मौसम जहां गर्मी से राहत दिलाने का काम करता है, वहीं इस मौसम में त्वचा की सही तरह से देखभाल न की जाए तो अनचाही स्किन प्रॉब्लम्स भी शुरू हो जाती हैं। दरअसल, इस मौसम में हवा में बढ़ती नमी और उमस के कारण त्वचा से ज्यादा तेल निकलता है और इस वजह से स्किन चिपचिपी होने लगती है। यह चिपचिपापन मुंहासे, ब्लैकहेड्स और त्वचा से जुड़ी कई परेशानियों को जन्म देता है। इस वजह से जहां त्वचा का ग्लो कम हो जाता है, तो वहीं ये बेजान भी नजर आती है। अगर आप इस मौसम में चिपचिपी स्किन को फ्रेश और ग्लोइंग बनाएं रखना चाहती हैं, तो आप इस आर्टिकल में बताई गई टिप्स को फॉलो कर सकती हैं। यहां बताई गई टिप्स चिपचिपी त्वचा को फ्रेश और ग्लोइंग बनाने के लिए मददगार साबित हो सकती हैं। साथ ही, इन टिप्स को आप अपने स्किन केयर रूटीन में भी शामिल कर सकती हैं।



फोमिंग क्लींजर का करें इस्तेमाल

चिपचिपी त्वचा की समस्या से राहत पाने के लिए आप फोमिंग क्लींजर का इस्तेमाल कर सकती हैं। ये त्वचा के एक्स्ट्रा ऑयल और गंदगी को साफ करेगा, साथ ही, पोर्स को बंद होने से भी रोकेगा। फोमिंग क्लींजर की मदद से आप रोजाना चेहरे को साफ करें और ये काम सुबह और शाम दोनों समय करें।

सिंपल ड्रेस को ग्लैमरस लुक देंगे ट्रेंडी नेकलेस के डिजाइंस

कई सारे खास मौकों पर महिलाएं ड्रेस स्टाइल करना पसंद करती हैं। लेकिन, इस ड्रेस को कैसे ग्लैमरस और अट्रैक्टिव लुक दें, इसको लेकर वो काफी कन्फ्यूज रहती हैं। अगर आपके साथ भी ऐसा है, तो आप इस आर्टिकल में दिखाए गए नेकलेस स्टाइल कर सकती हैं। ये नेकलेस आपके लुक को न्यू टच देने का काम करेंगे, साथ ही, इन्हें स्टाइल करने के बाद आप खूबसूरत भी नजर आएंगी। हम आपको कुछ लेटेस्ट डिजाइंस वाले नेकलेस दिखा रहे हैं। ये नेकलेस आप ड्रेस के साथ स्टाइल करके ग्लैमरस लुक पा सकती हैं।



स्टोन नेकलेस

अगर आप अपने आउटफिट के हिसाब से नेकलेस स्टाइल करने का सोच रही हैं, तो आप स्टोन नेकलेस का चुनाव कर सकती हैं। यह नेकलेस आपको कई सारे कलर और डिजाइन ऑप्शन्स में मिल जाएंगे। साथ ही, इस नेकलेस को स्टाइल करने के बाद आपका लुक अच्छा भी लगेगा। यह नेकलेस आपके लुक को ग्लैमरस बनाने के लिए परफेक्ट है और ये आपको सस्ती कीमत में मिल जाएगा। इस नेकलेस को आप ऑनलाइन या ऑफलाइन, इन दोनों ही जगहों से 400 से 500 रुपये में खरीदकर स्टाइल कर सकती हैं।

कार्नर न्यूज

हरे रंग के साथ ही अगर आप कुछ नए और ट्रेंडिंग रंगों को अपने स्टाइल और आउटफिट का हिस्सा बनाएंगी तो हर मौके पर आपका लुक सबसे अलग और आकर्षक बन सकता है। आइए जानते हैं बारिश में हरे के अलावा कौन से रंग ट्रेंड में हैं और कैसे उन्हें अपने स्टाइल में शामिल करें। बारिश का मौसम आते ही हर ओर हरियाली और ताजगी का अहसास होने लगता है। फैशन का भी एक अलग रंग इस दौरान देखने को मिलता है। आमतौर पर बारिश में लोग हरे रंग का प्राथमिकता देते हैं। हालांकि फैशन एक्सपर्ट्स की मानें तो इस मौसम में कुछ अन्य रंग भी उतने ही खूबसूरत और प्रभावशाली लगते हैं। मानसून सिर्फ हरियाली का मौसम नहीं, बल्कि रंगों का उत्सव है। हरे रंग के साथ ही अगर आप कुछ नए और ट्रेंडिंग रंगों को अपने स्टाइल और आउटफिट का हिस्सा बनाएंगी तो हर मौके पर आपका लुक सबसे अलग और आकर्षक बन सकता है। इस मौसम में हरे के अलावा टैंड में दूसरे रंगों की भी जानकारी लेना जरूरी है।



गुलाबी रंग

गुलाबी रंग बेहद आकर्षक होता है। बरसात के मौसम के साथ तो नमी आती है, उसमें भी यह रंग फ्रेश लुक देता है। हल्का गुलाबी या बेबी पिंग रंग चेहरे पर खास निखार लाता है। यह रंग मानसून की नमी में भी फ्रेशनेस का एहसास देता है। आप इसे सूट, साड़ी या कुर्ते के रूप में पहन सकती हैं।

नारंगी रंग

हरियाली के इस महीने में नारंगी रंग खिला-खिला दिखता है। यह रंग ऊर्जा और सकारात्मकता का प्रतीक है। नारंगी रंग मानसून की हरियाली में अधिक ब्राइट बना देता है। आप ऑरेंज कलर की एथनिक ड्रेज, लाइट मेकअप और सिंपल ज्वेलरी के साथ एकदम परफेक्ट लुक अपना सकती हैं।

प्रिंटेड कुर्ता और प्लाजो के डिजाइंस स्टाइलिश लुक पाने आपके लिए



अगर आप स्टाइलिश लुक चाहती हैं, तो आप इस तरह के प्रिंटेड कुर्ता और प्लाजो का चुनाव कर सकती हैं। यह आउटफिट जहां आपको क्लासी दिखाएगा, वहीं ब्यूटीफुल लुक पाने के लिए भी यह आउटफिट बेस्ट ऑप्शन है। कुर्ता और प्लाजो इन दिनों काफी ट्रेंड में हैं, और ऐसा इसलिए क्योंकि यह आउटफिट इस समय महिलाओं का पसंदीदा ऑप्शन बन गया है। इस आउटफिट में वे जहां कम्फर्टेबल रहती हैं, तो साथ ही, सुंदर भी नजर आती हैं। इसी के साथ, ये आउटफिट ट्रेंडी और मॉडर्न लुक पाने के लिए बेस्ट ऑप्शन हैं। यह आउटफिट महिलाएं ऑफिस जाने के दौरान पहन सकती हैं और कई सारे खास मौकों पर भी स्टाइल करने के लिए बेहतरीन ऑप्शन हैं। यह आउटफिट आपको कई सारे कलर और डिजाइन ऑप्शन के साथ मिल जाएंगे। भीड़ से अलग और नया लुक चाहती हैं, तो प्रिंटेड कुर्ता और प्लाजो का चुनाव कर सकती हैं। आपको कुछ प्रिंटेड कुर्ता और प्लाजो सेट दिखा रहे हैं। ये आउटफिट आपके डेली वियर को अपग्रेड करने और स्टाइलिश लुक पाने के लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकते हैं।



फ्लोरल प्रिंटेड कुर्ता और प्लाजो

ऑफिस में स्टाइल करने के लिए इस तरह के फ्लोरल प्रिंटेड कुर्ता और प्लाजो बेहतरीन रहेंगे। इनको पहनने के बाद आपका लुक अच्छा लगेगा। यह आउटफिट फ्लोरल पैटर्न में है और वी-नेक डिजाइन में आता है। इस तरह का आउटफिट क्लासी लुक देगा और इसे स्टाइल करने के बाद आप स्टाइलिश भी नजर आएंगी। इस आउटफिट को आप कई सारे पैटर्न और नेक डिजाइन ऑप्शन्स के साथ ले सकती हैं, और ये आपको आसानी से ऑनलाइन या ऑफलाइन दोनों ही जगहों पर मिल जाएंगे। इस आउटफिट के साथ आप ऑक्सीडाइज ड्रमकेपहन सकती हैं और हेयर स्टाइल को स्ट्रेट रख सकती हैं। अगर आप किसी पार्टी या फैमिली फंक्शन में शामिल हो रही हैं, तो आप इस तरह के ब्लॉक प्रिंटेड कुर्ता और प्लाजो सेट का चुनाव कर सकती हैं।

तेज बारिश में भी खिला रहेगा मेकअप इन हैक्स से

बारिश के मौसम में अक्सर मेकअप फैल जाता है। इसी वजह से कई सारी लड़कियों को टचपच करना पड़ता है। लेकिन इस 5 मिनट वाले हैक्स की मदद से आपका मेकअप बारिश में नहीं फैलेगा।



पड़ेगी। इस तरह के मेकअप लुक को आप अच्छी नजर आएंगी।

बारिश के मौसम में मेकअप को सेटिंग स्प्रे से करें सेट

आप बारिश के मौसम में जब भी मेकअप करें तो सेटिंग स्प्रे से इसे सेट करें। सेटिंग स्प्रे को मेकअप अच्छे से सेट करें। इसके लिए आप मेकअप से पहले सेटिंग स्प्रे का इस्तेमाल करें। इसके बाद मेकअप जब हो जाए तो फिर सेटिंग स्प्रे को लगाएं। इससे आपका मेकअप बारिश में नहीं बहेगा। इस तरह से आप मेकअप लुक को आप ट्राई करें। इस तरह से मेकअप करने के बाद आपको दोबारा टेचअप करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। साथ ही, आपका मेकअप अच्छे से सेट हो जाएगा।

इस मौसम में फैशन पर हावी रहेगा रंग

रिमझिम फुहारों में सिर्फ हरा नहीं, इन रंगों के परिधान भी लगाएंगे चार चांद

बैंगनी या लैवेंडर रंग

इन दिनों लैवेंडर रंग ट्रेंड में है। बैंगनी या लैवेंडर कलर कभी भी मौके पर आपको रॉयल लुक देता है। लैवेंडर या बैंगनी रंग के आउटफिट आपके स्टाइल में क्लासिक और रॉयल टच लाते हैं। मानसून के धार्मिक अवसरों पर यह रंग सजीवता और गहराई दोनों दिखाता है।

पैस्टल ब्लू

पैस्टल ब्लू या हल्का नीला रंग ठंडक और संतुलन का रंग है। मानसून की उमस में पैस्टल सुकून देता है। यह रंग बेहद शांत और फ्रेशनेबल लुक देता है। इसे ऑफिस से लेकर फंक्शन तक में कैरी किया जा सकता है।

पीले रंग के परिधान

पीला रंग उत्सव और ऊर्जा से भरपूर होता है। बारिश में पीले रंग का अपना ही



आकर्षण होता है। हरियाली के बीच जब आप पीले रंग के परिधान में नजर आएंगी तो आपकी खूबसूरती में चार-चांद लग जाएंगे। आगामी दिनों में सावन में कई धार्मिक अवसर, जैसे सावन सोमवार, सावन शिवरात्रि, हरियाली तीज आदि मनाई जाती है। इन धार्मिक अवसरों के लिए पीला रंग एकदम परफेक्ट है।